डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
18 दिसंबर 2024
बुधवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
11 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

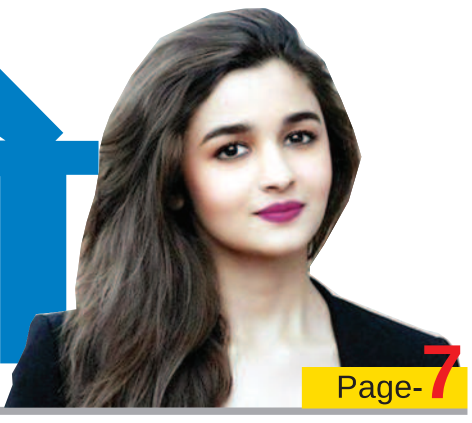
Page-7

लोकसभा-राज्यसभा से लेकर मध्यप्रदेश विधानसभा तक शाह के बयान का विरोध

बेरोजगारी के मुद्दे पर हमलावर विपक्ष चाय की केतली लेकर पहुंचे विधायक

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन आज विपक्षी दल कांग्रेस विधायकों ने बेरोजगारी का मुद्दा उठाने के उद्देश्य से विधानसभा परिसर में %चाय की केतली और गिलास हाथों में लेकर प्रदर्शन किया। इनके हाथ में नारे लिखीं तख्तियां भी थीं। वहीं केंद्रीय मंत्री अमित शाह की कथित टिप्पणी को लेकर भी कांग्रेस सदस्यों ने सदन के भीतर हंगामा किया। जिसके चलते कार्यवाही थोड़ी देर स्थगित रही।

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक विस परिसर में चाय की केतली और गिलास लेकर बेरोजगारी का मुद्दा उठाकर नारेबाजी करते रहे। सिंघार ने इस अवसर पर मीडिया से कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ रही है। लेकिन सरकार इस महत्वपूर्ण समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रही है। सरकार ने आधिकारिक तैर पर माना है कि प्रदेश में बेरोजगारों की संख्या बढ़ी है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस विधायक सत्र के पहले दिन खाद संकट उठाते हुए दिखे। इसके लिए वे ट्रेक्टर से विधानसभा की ओर रवाना हुए थे। अगले दिन यानी कल राज्य सरकार पर कर्ज का मुद्दा उठाने के लिए कांग्रेस सदस्य हाथों में कटोरा लेकर विधानसभा परिसर पहुंचे थे। आज राज्य विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा हो रही है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने 2024-2025 के लिए 22 हजार 460 करोड़ का सप्लीमेंट्री बजट पेश किया है। बजट पर चर्चा के लिए 4 घंटे का समय निर्धारित किया गया है।

बोतलों की माला पहनकर आए परमार

उज्जैन से कांग्रेस विधायक महेश परमार आज शराब की खाली बोतल की माला पहनकर पहुंचे। परमार ने कहा कि प्रदेश में शराब घोटाले चल रहे है और सरकार मौन है। दिल्ली से भी बढ़े घोटाले एमपी में चल रहे है। एक-एक जिले में 100 करोड़ से ज्यादा के शराब घोटाला है। इधर कांग्रेस विधायक की शराब घोटाले को लेकर किए गए प्रदर्शन को लेकर सत्ता पक्ष ने हमला बोला व कहा कि शराब की बोतल लाना अनुचित है। जहां गांधीजी की प्रतिमा लगी हुई है वहां पर कांग्रेस विधायक शराब की बोतल की माला पहनकर पहुंचे। सिर्फ फोटोबाजी करने के लिए कांग्रेस इस तरीके का प्रदर्शन कर रही है। नेता प्रतिपक्ष को विधायकों पर कार्रवाई करना चाहिए।

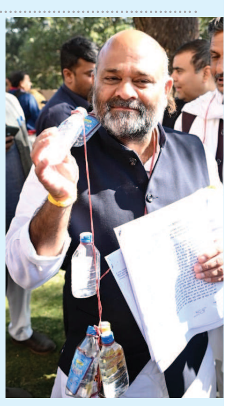

शाह के खिलाफ संसद में घेराबंदी में जुटा विपक्ष, माफी की मांग

नई दिल्ली. दोपहर मेट्रो

आज संसद के भी दोनों सदनों में हंगामे की स्थिति रही और दोनों सदनों की कार्रवाई को दोपहर दो बजे तक स्थगित करना पड़ा। विपक्षी पार्टियां गृह मंत्री अमित शाह से बाबा साहब को लेकर टिप्पणी के लिए माफी मांगने की मांग कर रही हैं। विपक्षी दलों के सांसदों ने आज संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले बाबा साहब की तस्वीर लेकर संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने बाबा साहब के अपमान का आरोप लगाते हुए माफी मांगने की मांग को लेकर नारेबाजी की। वहीं लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने बाबा साहब के नाम पर फिर हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी सांसद बाबा साहब की तस्वीरें लेकर सदन में पहुंचे थे। विपक्ष के हंगामे पर कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विपक्ष और कांग्रेस को घेरा व कहा कि इन्होंने क्या किया, इन्होंने तो बाबा साहब की तस्वीर तक नहीं लगने दी और आज उनकी तस्वीर लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ही बाबा साहब का अपमान किया है। बावजूद लोकसभा की कार्यवाही हंगामे के कारण 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। विपक्ष ने राज्यसभा में भी आंबेडकर को लेकर अमित शाह के बयान पर हंगामा किया। राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि बाबा साहब हम सबके लिए प्रातः वंदनीय, सम्माननीय और अनुकरणीय हैं। कैबिनेट ने उनको भारत रत्न देने का काम किया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम लोगों ने बहुत अच्छी तरह से सुना है कि गृह मंत्री ने बाबा साहब के प्रति श्रद्धा का भाव प्रकट किया था। कांग्रेस ने तो बाबा साहब का अपमान किया और भारत रत्न नहीं दिया। बाबा साहब बौद्ध थे, मैं भी बौद्ध हूं। हालाकि बाद में दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

हंगामे के बाद लोकसभा व राज्यसभा की कार्रवाई स्थगित

खेल प्रतिभाओं का सम्मान किया मुख्यमंत्री ने

भोपाल दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज यहां खेल प्रतिभाओं का सम्मान किया। टीटी नगर स्टेडियम में खेल प्रोत्साहन समारोह में मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से संवाद भी किया। खेल विभाग की ओर से अब तक की उपलब्धियों पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। इसमें प्रदेश में खेलों के विकास और खिलाड़ियों की सफलता को दर्शाया गया। सीएम यादव ने जूनियर खिलाड़ियों को खेलवृत्ति एवं खेल किट वितरण, राज्य स्तर पर पदक विजेता प्रतिभावान जूनियर खिलाड़ियों को खेलवृत्ति और खेल किट प्रदान किया। वहीं खेलो इंडिया सेंटर के खिलाड़ियों को किट वितरण हुआ। इसके अलावा अप्रैल 2023 से अब तक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

पंजाब-हरियाणा सीमा पर किसानों का धरना, रेल रोकी

नईदिल्ली, एजेंसी। किसानों के हक में आज पूरे पंजाब में रेलें रोकी जाएंगी। हर जिले में किसान दोपहर 12 से 3 बजे तक रेल पटरियों पर धरना देंगे। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन को 22 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन केंद्र सरकार अभी तक किसानों से बात नहीं की। मोदी सरकार किसानों के मुद्दों को डीरेल करना चाहती है।

भारत हमारे सामान पर जितना कर लगाएगा, हम भी उतना ही ठोकेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी

ट्रंप का नया बयान

अमेरिका के अगले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पद संभालने से पहले भारत को लेकर बड़ा बयान दे डाला है। उन्होंने भारत भेजे जाने वाले अमेरिकी सामान पर लगाए जाने वाले टैक्स को लेकर कुछ ऐसा कह दिया, जिससे भारत सरकार सोच में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिकी सामान पर जितना टैक्स लगाएगा, उतना ही टैक्स अमेरिका भारतीय सामान पर लगाएगा। इस दौरान उन्होंने सभी देशों की ओर से अमेरिकी सामान के आयात पर लगाए गए उच्च कर के जवाब में वैसा ही उच्च कर लगाने की अपनी मंशा को दोहराया। मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा अगर कोई हम पर टैक्स लगाता है, तो हम भी उन पर उतना ही टैक्स लगाएंगे। भारत हम पर टैक्स लगाता है तो हम भी उन पर टैक्स लगाएंगे। वे हमारी लगभग हर चीज पर टैक्स लगाते हैं और हम उन पर टैक्स नहीं लगा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने सभी देशों की ओर से अमेरिकी सामान के आयात पर लगाए गए उच्च कर के जवाब में वैसा ही उच्च कर लगाने की अपनी मंशा को दोहराया।

भीषण आग से 7 दुकानें हुई खाक

सागर। बीती रात करीब तीन बजे गौरझामर के न्यू बस स्टैंड स्थित दुकानों में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि एक के बाद एक सात दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगी देख मौके पर स्थानीय लोग पहुंचे जिन्होंने सूचना दुकानदारों, पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच कर आग बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया था कि सभी दुकानें जलकर खाक हो गई।

मेरा समय यहीं पर खत्म हुआ...

करिश्माई स्पिनर अश्विन ने क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के करिश्माई स्पिनर और बेहतरीन ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट को आज अलविदा कह दिया है। उन्होंने गाबा टेस्ट के ड्रॉ होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान रोहित शर्मा के साथ अपना फैसला सुनाया और तुरंत बाद बिना मीडिया के सवालों के जवाब दिए चलते बने। उन्होंने कहा कि मेरा समय यहीं खत्म होता है। भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक अश्विन ने टॉप पर रहते हुए अपने करियर को अलविदा कहा है। उन्होंने 106 टेस्ट में 537 विकेट और 3503 रन बनाए। दूसरी ओर, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्षाबाधित तीसरा टेस्ट आज यहां ड्रॉ रहा, जिससे श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर है। भारत ने जीत के लिए 275 रन के लक्ष्य के जवाब में बिना किसी नुकसान के आठ रन बना लिये थे जब खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल चार चार रन बनाकर क्रीज पर थे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी सात विकेट पर 89 रन पर घोषित करने का साहसिक फैसला लिया जिससे भारत को 275 रन का लक्ष्य मिला। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने छह ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि मोहम्मद सिराज को दो और आकाश दीप को भी दो विकेट मिले।

क्या आपके हाथ का खिलौना हूं, भुजबल ने दिखाए तेवर

महायुति में दिखी दरार

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने से एनसीपी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल बेहद नाराज हैं। यह महायुति में दरार का पहला उदाहरण बन सकता है। भुजबल ने आज अपने चुनाव क्षेत्र नासिक के येवला में समर्थकों की बैठक बुलाई है,इसे अहम माना जा रहा है।

उन्होंने समता परिषद के कार्यकर्ता और ओबीसी समाज के लोगों को भी बुलाया है। भुजबल ने बैठक में साफ किया कि वह मंत्री पद के लिए लड़ेंगे। छगन भुजबल ने इशारों में अजित पवार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि क्या मैं आपके हाथों का खिलौना हूं? क्या आपको लगता है कि जब भी आप मुझे कहेंगे, मैं खड़ा हो जाऊंगा और चुनाव लड़ूंगा, जब भी आप मुझे कहेंगे मैं बैठ जाऊंगा? भुजबल के इस पैंतरे से महाराष्ट्र की सियासत में हलचल है। क्योंकि भुजबल ने कहा कि हम वे लोग हैं जो शून्य से लड़कर निर्माण करते हैं। इसलिए, हम फिर से लड़ेंगे, यह लड़ाई मंत्री पद के लिए नहीं बल्कि पहचान के लिए है। यदि आपने कई मंत्रालयों में काम किया है तो हम 40 से अधिक वर्षों से काम कर रहे हैं। इसलिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। भुजबल का दावा है कि उनका नाम मंत्रिमंडल में शामिल किये जाने वालों की सूची में था लेकिन ऐनवक्त पर इसे हटा दिया गया।

बिना कपड़ों के ट्रेन में घुसा पुरुष, जमकर हंगामा

मुंबई। मध्य रेलवे की एसी लोकल ट्रेन के महिला कोच में एक शख्स बिना कपड़ों के अचानक डिब्बे में घुस गया तो हड़कंप मच गया। महिलाओं ने उस व्यक्ति को देखकर उस पर चिल्लाना शुरू कर दिया और अगली बोगी में मौजूद टीसी को बुलाया। टीसी ने अगले स्टेशन पर उस व्यक्ति को ट्रेन से बाहर धकेल दिया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। यह व्यक्ति घाटकोपर स्टेशन पर लेडीज कंपार्टमेंट में चढ़ा था। इस पर कई महिलाएं चिल्लाने लगीं और उसे निकलने को कहा। महिलाओं की चीखें सुनकर मोटरमैन ने ट्रेन रोक दी। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि व्यक्ति मानसिक रूप से अस्थिर था और गलती से ट्रेन में चढ़ गया था।

घुसपैठिए इस्तेमाल कर रहे मस्क की तकनीक..स्टारलिंक

नई दिल्ली, एजेंसी

काफी समय से हिंसा की आग में झुलस रहे मणिपुर में अब सेना और असम राइफल्स को घुसपैठियों के अड्डे से एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स के स्टारलिंक इंटरनेट डिवाइस मिले हैं। खासतौर से मणिपुर के संघर्ष वाले इलाकों से यह डिवाइस मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसी और चौकस हो गई हैं। स्टारलिंक डिवाइसेस को सेना और असम राइफल्स ने चूड़ाचंदपुर, चंदेल, इम्फाल ईस्ट और कांगपोक्पी शहरों से भी जब्त किया है। आमतौर पर जब भी ऐसा कोई छापा मारा जाता था तो उसमें सिर्फ हथियार, गोला-बारूद निकलता था। लेकिन इस बार तो कम्यूनिकेशन के लिए एलन मस्क की कंपनी का बनाया इंटरनेट डिवाइस भी मिला है। माना जा रहा है कि अगर ऐसे ही हाईटेक सैटेलाइट इंटरनेट घुसपैठियों को मिलता रहा तो ये देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिक्योरिटी फोर्सेस के लिए घुसपैठियों को हैंडल करना मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि ये इलाका काफी दुरूह है। यहां संचार की व्यवस्था कम थी लेकिन स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट से घुसपैठियों के बीच बेहतर कॉर्डिनेशन हो जाएगा।

दरअसल, स्टारलिंक किसी भी रिमोट इलाके में इंटरनेट की सुविधा देता है। वह भी बिना तार या टॉवर के। यह सैटेलाइट से सीधे इंटरनेट मिलता है। यानी बिना किसी सरकार, सेना, खुफिया संस्थान या प्रशासन को पता चले घुसपैठिये इनका इस्तेमाल कहीं से भी कर सकते हैं। क्योंकि ये एंड-टू-एंड इनक्रिप्टेड होता है। इसे हैक करना मुश्किल है। जो डिवाइस मिला है, उसमें रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट की मार्किंग है। यह चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का हथियारबंद गुट है। सवाल ये उठ रहा है कि मणिपुर में घुसपैठियों के पास ये डिवाइस कहां से आया? क्योंकि भारत में स्टारलिंक को ब्रॉडबैंड लाइसेंस अभी नहीं मिला है। रक्षा एक्सपर्ट्स की मानें तो इस यंत्र को देश के अंदर स्मगल करके लाया गया है या फिर इसे फेक जियोटैगिंग के जरिए कहीं और एक्टिवेट किया गया है। ताकि प्रतिबंधों को पार किया जा सके।

मेट्रो एंकर

छापेमारी में मिले इंटरनेट डिवाइस सुरक्षा एजेंसियां हुई चौकन्ना

सिक्योरिटी एजेंसियों की दिक्कतें

आतंकरोधी अभियानों के लिए इस तरह के यंत्र बाधा है। आतंकी और घुसपैठियों के समूहों के बीच दुरूह इलाकों में भी कम्यूनिकेशन हो जाता है। रीयल टाइम इंटेलिजेंस हासिल कर सकते है,प्रोपैगैंडा कैंपेन चला सकते हैं। इसे रोकना इनका पता करना बेहद मुश्किल होता है क्योंकि पारंपरिक तरीकों को तो सेना हैंडल कर सकती है। नए संचार तरीकों के लिए वो भी सैटेलाइट इंटरनेट को हैंडल करने की सीमित क्षमता है। स्टारलिंक के जरिए आतंकी बाहरी संस्थाओं, और स्थानीय नेटवर्क से जुड़ सकते हैं। इसका खतरा आम नागरिक आबादी को भी है। आतंकी आराम से उनके बीच घुसपैठ कर सकते हैं। इनके जरिए साइबरअटैक भी हो सकते हैं या फिर संवेदनशील युवाओं को अपने आतंकी समूह में भर्ती होने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

एक्सपर्ट ने बताया कि घुसपैठियों के पास से ऐसी टेक्नोलॉजी का मिलना ये बताता है कि वो इंवॉल्व हो रहे हैं। उनके पास हाई-स्पीड इंटरनेट की सुविधा है। इससे आतंकी समूहों के बीच कम्यूनिकेशन का डायनेमिक्स बदल जाएगा।

उप्र में भाजपा कार्यालय पर चला बुलडोजर

बलिया। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर की कार्रवाई की जा रही है। अब बलिया में भाजपा कैंप कार्यालय भी इसकी चपेट में आया है। इस परन गर पालिका की टीम ने बुलडोजर चला दिया क्योंकि कथित तौर पर इसे जमीन का अतिक्रमण कर बनाया गया था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, अतिक्रमण हटाओ अभियान की टीम चित्तू पांडे इलाके के इंदिरा मार्केट में स्थित भाजपा कैंप कार्यालय पर पहुंची और बुलडोजर से ध्वस्तीकरण शुरू कर दिया। उप-विभागीय मजिस्ट्रेट राजेश कुमार ने बुलडोजर कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि अतिक्रमण को नियमित कार्रवाई के तहत हटाया गया।

ठिठुर रहा दिसंबर : चल रही शीतलहर, पारा चार डिग्री

भोपाल. एजेंसी

राजधानी में इस बार दिसंबर में रिकार्ड तोड़ सर्दी पड़ रही है। सर्द हवाओं के कारण मंगलवार को लगातार चौथे दिन भी शहर तीव्र शीत लहर की चपेट में रहा। सोमवार के मुकाबले मंगलवार को न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी हुई लेकिन चौथे दिन भी तापमान 4 डिग्री पर रहा। ऐसे में लोगों को तेज सर्दी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिन सर्दी से थोड़ी राहत मिल सकती है। राजधानी में यह पहला मौका है जब शहर में लगातार चार दिनों से तीव्र शीत लहर की स्थिति बनी हुई है। सोमवार और मंगलवार की मध्यरात्रि भी शहर में कड़ाके की सर्दी रही और लोग सर्दी से बेहाल नजर आए। मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान 27.6 और न्यूनतम तापमान 4 डिग्री रहा। ऐसे में मंगलवार को भी लोग सर्दी से बेहाल नजर आए।

अगले दो-तीन दिन हल्की बढ़ोतरी

मौसम विज्ञानी वीएस यादव ने बताया कि एक पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है। इसके कारण अगले दो तीन दिन तापमान में बहुत ज्यादा गिरावट होने की संभावना नहीं है, बल्कि तापमानों में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है, ऐसे में सर्दी से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इस पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद फिर तापमान में कमी आने की उम्मीद है।

17 दिन में 11 दिन कड़ाके की सर्दी

इस बार शुरुआत से ही दिसंबर में तेज सर्दी का दौर रहा है। अब तक 17 दिनों में से 11 दिन न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के नीचे रहा है, इसमें भी पांच बार तापमान 5 डिग्री के नीचे पहुंचा है। ऐसे में पहली बार दिसंबर में इस तरह की सर्दी का प्रकोप दिखाई दे रहा है। राजधानी में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। भोपाल में रविवार-सोमवार को 56 साल बाद दिसंबर की सबसे सर्द रात रही। वहीं 53 साल पुराना 1971 का रिकॉर्ड टूट गया। न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री पर पहुंच गया। यदि तापमान 0.3 डिग्री और गिर गया तो ओवरऑल रिकॉर्ड टूट जाएगी। कड़कड़ाती ठंड से लोग रजाई और मोटे कंबलों में दुबके रहे। इतनी सर्द रातइसके पहले 27 दिसंबर 1968 को थी। तब न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि ऑल टाइम रिकार्ड 3.1 डिग्री का 11 दिसंबर 1966 का है। शीत लहर की स्थिति होने के कारण शाम से ही लोग घरों में दुबक गए। उत्तरी सर्द हवाओं के कारण सोमवार को भी दिन में कड़ाके की ठंडक रही। राजधानी में लगातार तीसरे दिन न्यूनतम तापमान सामान्य से 7.6 डिग्री कम रहा। हवाओं के चलने से शीत लहर की स्थिति बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला ने बताया कि दिसंबर में पहली बार ऐसी सर्दी भोपाल में पड़ रही है। वहीं वन विहार ने वन्यप्राणियों को सर्दी से बचाने इंतजाम किए हैं। टाइगर, और तेंदुए के बाढ़े में हीटर लगाए गए हैं। वहीं बाड़े में हाउसिंग में पर्दे लगाए गए हैं ताकि ठंडी हवाओं से बचाया जा सके। इनके खानपान में भी बदलाव हुआ है।

कोचिंग तो खोली, लेकिन भोजन व रहने का इंतजाम नहीं, आयोग ने दिए जांच के निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेश के 15 मामलों में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। पहला मामला अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा कोचिंग खोले जाने, लेकिन विद्यार्थियों के लिए भोजन व रहने की व्यवस्था नहीं होने का है। मामले में आयोग ने प्रमुख सचिव, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग (म.प्र.) मंत्रालय को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी तलब किया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि, प्रदेश के सात संभागों में 2010 से अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा परीक्षा केंद्र संचालित किए जा रहे है। इनमें हर साल ढाई हजार से अधिक विद्यार्थी पढ़ाई करने के लिये आते है, लेकिन छात्रों को यहां ट्रेनिंग के अलावा दूसरी कोई व्यवस्था नहीं मिल पा रही है। इस कारण छात्रों के भोजन एवं रहने के इंतजाम नहीं होने से वह बिना रजिस्ट्रेशन कराए ही वापस लौट रहे है।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेश के 15 मामलों में लिया संज्ञान, रिपोर्ट भी तलब

निगम की बेरुखी से सड़को पर ठिठुर रहे लोग

भोपाल शहर के महाराणा प्रताप नगर, आइएसबीटी और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के आसपास सड़कों एवं फुटपाथों पर बड़ी संख्या में लोगों को ठंड में खुले आसपास के नीचे सोने को मजबूर होने पड़ रहा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि सर्दी से बचाने के लिये नगर निगम ने कहीं अलावा तक नहीं जलवाएं और न ही कंबल वितरन की है। सड़कों एवं फुटपाथ पर सोने वाले लोगों को ठंड में सोने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने आयुक्त, नगर निगम को जांच के निर्देश दिए हैं।

शहर की 18 हजार स्ट्रीट लाइटें खराब

भोपाल शहर के अधिकांश क्षेत्रों की स्ट्रीट लाइटें खराब पड़े होने का मामला सामने आया है। शहर के प्रमुख मार्गों के साथ-साथ रिहायशी कॉलोनियों की सड़कों में भी अंधेरा होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त से जांच कराकर रात्रि में सुरक्षित आवागमन एवं जन सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

आयोजन ने इन मामलों में भी मांगा जवाब

आयोग ने भोपाल शहर के उपनगर का सिंधी समाज को आजादी के 77 साल बाद भी अपनी प्रॉपर्टी के मालिकाना हक से वंचित रहने, बावडिया कलां स्थित बाबूलाल गौर ओवरब्रिज में अंधेरे और संकेतक नहीं होने के कारण आये दिन वहां सड़क दुर्घटनाएं होने, कोहेफिजा इलाके में सड़कों पर गड्ढे होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करने, लहारपुर क्षेत्र के विश्राम घाट में मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण वहां शव यात्राएं लाने वाले लोगों को कई तरह की परेशानी का सामना करने, पोर्टल पर पुलिस थानों के नंबर उपयोग में नहीं होने के कारण पीड़ितों को ऑनलाइन सहायता नहीं मिलने के मामलों में संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

प्रक्रिया पूरी करने में खुद पंजीयन विभाग बाधक

भोपाल. एजेंसी

कैसे होगी घर बैठे रजिस्ट्री, अब तक सर्विस प्रोवाइडर्स को लाइसेंस ही नहीं

संपदा 2.0 से घर बैठे पंजीयन की प्रक्रिया पूरी करने में खुद पंजीयन विभाग बाधक बन रहा है। स्थिति ये है कि सर्विस प्रोवाइडर्स को संपदा 2.0 के तहत काम करने पंजीयन ही नहीं किया गया। 70 फीसदी सर्विस प्रोवाइडर्स के पास नए अपडेटेड सॉफ्टवेयर का पंजीयन पत्र नहीं है। ऐसे में ये पुराने पोर्टल व तरीके से ही रजिस्ट्री की प्रक्रिया करवा रहे हैं। ऐसे में ऑनलाइन घर बैठे रजिस्ट्री की संख्या अपेक्षाकृत नहीं बढ़ पा रही है। संपदा 2.0 के तहत घर से ही रजिस्ट्री, किरायानामा और इसी तरह के काम होना थे। दस अक्टूबर को संपदा 2.0 लॉन्च कर इसके आमजन के लिए बेहद उपयोगी बताया गया था। स्थिति ये रही कि एक माह में महज 65 ही रजिस्ट्री हुई थी, अब दिसंबर आधा बीतने के बावजूद आंकड़ा 100 तक नहीं पंहुचा है।

सिटीजन ऑप्शन से पंजीयन

सर्विस प्रोवाइडर्स लाइसेंस नहीं मिलने से पोर्टल के सिटीजन ऑप्शन से पंजीयन कर प्रक्रिया कर रहा है। हालांकि ये भी सर्वर की धीमी गति में अटका हुआ है। लाइसेंस मिलने से पोर्टल पर अतिरिक्त सुविधा के साथ प्राइवेसी की स्थिति बनेगी।

स्टेट मास्टर्स गेम्स प्रतियोगिता में पांच स्वर्ण, एक रजत हासिल किया राठौर ने

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम प्रबंधन संस्थान के पीएस राठौर ने 60 वर्ष से अधिक आयु समूह की पांचवीं स्टेट मास्टर्स गेम्स में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण पदक जीते। इस समूह के खिलाड़ियों में 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़ तथा डिस्क थ्रो प्रतियोगिताओं में राठौर ने दोनों दौड़ प्रतियोगिताओं में प्रथम-प्रथम तथा डिस्क थ्रो में द्वितीय स्थान प्राप्त कर दो स्वर्ण और एक रजत पदक प्राप्त किए। प्रतियोगिताओं का आयोजन इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय मैदान पर किया गया। मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन के सचिव अम्मानत खान प्रतियोगिताओं के निदेशक थे। प्रतियोगिताओं में राज्य के विभिन्न जिलों के 20 से 80 वर्ष आयु समूह के दो सौ से अधिक महिला पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। राठौर ने 100 मीटर दौड़ 15.10 सेकण्ड्स में तथा 200 मीटर दौड़ 33.07 सेकण्ड्स में पूरी की। वे डिस्क थ्रो में 27.4 मीटर दूरी तक डिस्क फैंकने में सफल हुए। राठौर पंजाब नेशनल बैंक से डीजीएम पद से सेवानिवृत हुए हैं। वें 1981 में आयोजित नैशनल गेम्स में खो-खो प्रतियोगिता तथा 1980 में एथेलेटिक्स में भाग ले चुके हैं। राठौर ने बैंक स्पोट्स बोर्ड के नेशनल गेम्स में लगातार सात साल तक 110 मीटर बाधा दौड़ में पदक हासिल किये। पीएनबी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में राठौर बेस्ट एथलीट के सम्मान से सम्मानित हैं।

पांचवीं व आठवीं की वार्षिक परीक्षाएं का कार्यक्रम जारी, 24 फरवरी से होगी

भोपाल। प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों, मान्यता प्राप्त निजीस्कूल, अनुदान प्राप्त स्कूलों और डाइस कोड प्राप्त मदरसों की पांचवी और आठवीं कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं 24 फरवरी 2025 से शुरू होंगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने इन कक्षाओं का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार, यह परीक्षाएं 24 फरवरी से 3 मार्च 2025 तक आयोजित की जाएंगी। कक्षा पांचवी का पहला पेपर 24 फरवरी को प्रथम भाषा हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू व मराठी का रहेगा। वहीं आठवीं का प्रथम भाषा हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू व मराठी का पेपर रहेगा।

एलवीएस की निहारिका को राष्ट्रीय कराते में स्वर्ण पदक मिला

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ विद्यालय की छात्रा निहारिका नागर ने कराते इण्डियन ऑर्गेनाईजेशन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। निहारिका ने दिल्ली में हुए नेशनल टूर्नामेंट में अलग-अलग राज्यों से आए प्रतिस्पर्धी खिलाड़ियों को पछाड़ कर गोल्ड मेडल हासिल किया। टूर्नामेंट में 28 राज्यों से आए खिलाड़ियों ने अपना प्रदर्शन किया, जिसमें 15 वर्षीय निहारिका ने 4 बाउट फाइट में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मध्यप्रदेश के लगभग 25 छात्र-छात्राओं में से निहारिका नागर ने राष्ट्रीय कराते चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसके पहले भी निहारिका स्टेट एवं नेशनल लेवल के स्वर्ण एवं रजत जैसे कई पदक प्राप्त कर चुकी हैं। अब वह अंतंराष्ट्रीय कराते चैम्पीयनशिप के लिए चयनित हो चुकीं हैं जो कि आगामी वर्ष 2025 के मई-जून में होने वाले साउथ एशिया में होना प्रस्तावित है।

मेट्रो एंकर इंस्पायरिंग द नेक्स्ट जनरेशन ऑफ वीमेन एंटरप्रेन्योर्स पर विशेष सत्र

आत्मनिर्भर बनने के लिए जुनून को व्यवसाय में बदलें: अर्शी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में ई.सेल एवं इनोवेशन इंस्टीट्यूशन काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में एंपावरिंग हर हसल इंस्पायरिंग द नेक्स्ट जनरेशन ऑफ वीमेन एंटरप्रेन्योर्स विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में अर्शी खान, उद्यमी एवं संस्थापक, कॉलेज खबरी उपस्थित थीं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ डालिमा पारवानी ने कहा कि छात्राएं सर्वप्रथम अपना लक्ष्य स्पष्ट करें फिर अपने कौशल को पहचाने तथा सही रास्ते पर आगे बढ़े। एक लघु कथा के माध्यम से आपने मार्ग में आने वाली कठिनाइयों की बात कही और कर्म को प्रधानता देने पर बल दिया।

अर्शी खान ने कहा कि सपने देखना हर किसी का अधिकार है, लेकिन उन्हें साकार करने के लिए मेहनत, समर्पण और साहस चाहिए। मैं चाहती हूं कि हर छात्रा अपने आप में विश्वास रखें और अपनी क्षमताओं को पहचान कर यात्रा शुरू करें। अर्शी खान ने इस अवसर पर छात्राओं को उनके आत्मनिर्भर बनने और अपने जुनून को एक व्यवसाय में बदलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में महिलाओं को अपनी प्रतिभा एवं कौशल को दुनिया के सामने लाने के लिए डिजिटल और तकनीकी प्लेटफार्म का लाभ उठाना चाहिए। आपने कहा कि सफलता के लिए केवल लक्ष्य का होना पर्याप्त नहीं बल्कि निरंतर प्रयास और सीखने की प्रक्रिया को भी अपनाना जरूरी है। अंत में छात्राओं ने अपनी जिज्ञासाओं का सामाधान प्राप्त किया। सत्र ऊर्जा एवं ज्ञान से परिपूर्ण रहा।

प्रदेश में पाठ्य पुस्तक स्थायी समिति का हुआ गठन

भोपाल. एजेंसी

- तीन साल रहेगा समिति का कार्यकाल, जारी हुई अधिसूचना

प्रदेश में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल और माध्यमिक शिक्षा से जुड़ी पाठ्य पुस्तकों के पाठ्यक्रम तैयार करने के लिये स्थायी समिति का गठन किया गया है। इस संबंध में विभाग ने अधिसूचना जारी की है। गठित समिति का कार्यकाल 3 वर्ष का रहेगा। गठित समिति का अध्यक्ष डॉ. अलकेश चतुर्वेदी को बनाया गया है। अन्य सदस्यों में डॉ. भागीरथ कुमरावत, डॉ. बलराम परमार, डॉ. रविन्द्र सोहोनी, डॉ. अनुपम जैन, डॉ. प्रेमलता नीलम, राजकुमार वैद्य, शिरोमणी दुबे, डॉ. आशीष भारती, डॉ. विनय सिंह चौहान और राजेश तिवारी को शामिल किया गया है। समिति में शासकीय सदस्यों के रूप में संचालक राज्य शिक्षा केन्द, आयुक्त लोक शिक्षण, सचिव मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम को मनोनीत किया गया है। संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद भोपाल समिति के सदस्य सचिव होंगे।

68 साल का गौरवशाली इतिहास और 20 से 22 दिन ही चल रहा सदन

सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने विधानसभा सत्र जल्द खत्म होने और बैठकें कम होने पर जताई चिंता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र विधानसभा का 68 साल का इतिहास तो गौरवशाली रहा लेकिन सत्र के दिन घटकर 20 से 22 दिन रह गए हैं। बैठकों की संख्या भी बहुत कम हो गई है। इस पर विपक्ष ने तो गंभीर आपत्ति ली ही, सत्तापक्ष के भी कई वरिष्ठ सदस्यों ने चिंता जाहिर की। नतीजा ये रहा कि सभी ने सत्र को पूरे दिन चलाने की बात अपने–अपने तरीकों से कही तो कुछ ने कहा कि सत्र 80 से लेकर 100 दिन चले तब तो बात बनेगी। शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को 2 विधेयक पेश किए और दो पर चर्चा की। 22 हजार करोड़ का सप्लीमेंट्री बजट पेश किया। प्रश्नकाल और ध्यानाकर्षण के दौरान पक्ष-विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी देखने को मिले।

अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर : मप्र विधानसभा 68 वर्ष पूर्ण कर रही है। संसदीय परंपराओं के निर्वहन में गौरवशाली इतिहास रहा है। मप्र के निर्माण से अब तक 15 विधानसभा कार्यकाल पूरे हुए, 16 वां जारी है। 2600 से अधिक सदस्य योगदान दे चुके हैं। इन सात दशकों में सदन कई ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी रहा।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार : अन्य राज्यों में विधानसभा की बैठकें 80 से 100 तक होती है, तो मप्र में भी ऐसा होना चाहिए। इसके बिना 17 दिसंबर को याद करना बेईमानी होगी।

कांग्रेस विधायक डॉ. राजेंद्र सिंह : विधानसभा 20 से 22 दिन ही चलती है। यह कभी 56 से 60 दिन तक चलती थी। जब विधानसभा चलती है तो जनता टकटकी लगाकर देखती है कि उनके हक, अधिकारों की क्या बातें हुईं। हमने बहुत पहले तय किया था कि कम से कम 75 बैठकें हो लेकिन यह आंकड़ा हम नहीं छू पाए।

भाजपा विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा : धीरे-धीरे हमारे प्रति विश्वास घट रहा है। इसकी वजह विधानसभा व लोकसभा में हंगामा है। यदि ऐसी संस्थाएं काम नहीं कर पाएंगी तो जनता हमारे प्रति विश्वास कैसे करेगी।

भाजपा विधायक गिरीश गौतम : हम वाद-विवाद की बात करते हैं। विधानसभा के अंदर संवाद क्यों नहीं हो सकता। इससे तो झगड़े होते हैं, हमें संवाद करना चाहिए।

भाजपा विधायक गोपाल भार्गव : पहले सत्तापक्ष व विपक्ष दोनों के बीच आत्मीय संवाद होते थे। 40 बैठकें होती थी। हम सभी को मिल-जुलकर पर्याप्त समय तक चर्चा करनी चाहिए।

अध्यक्ष ने दी व्यवस्था

विधानसभा एक कार्यक्रम डिजाइन करेगी, ताकि ऐसे गौरवशाली पल के समय अगली बार अधिक से अधिक सदस्यों के विचार पटल आ सके। सत्तापक्ष और विपक्ष भी मिलकर सोचेंगे कि कैसे इस तरह के अवसरों को और अच्छा बनाया जा सके, कार्यक्रम हो सके। दोनों पक्षों से मिलकर बात करेंगे। जिन सदस्यों ने सुझाव दिए हैं, उन पर भी विचार किया जाना उचित होगा। मैं कभी-कभी सोचता हूं कि पुराने समय में विधानसभा के पास बहुत सी परंपराएं थीं, उनमें बहुत सारे सदस्यों की भूमिका रहती थी। भिन्न-भिन्न भूमिकाओं के लिए उनका चयन होता था और उन्हें समारोह में पुरुस्कृत किया जाता था। विधानसभा में विधायक क्लब बड़ा समृद्ध था, जिसमें पक्ष-विपक्ष के विधायक धन संग्रह जुटते थे और अपना हिस्सा देते थे। जिससे बड़ा इवेंट होता था। ऐसी परंपराओं को बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री से विचार विमर्श करेंगे। हम सभी की कोशिश होनी चाहिए कि अधिक से अधिक बैठकें हों, सदन अधिक से अधिक दिन तक चले। हम 24 घंटे पक्ष-विपक्ष में बटे न रहे।

पीएम ने राजस्थान में रखी पीकेसी की नींव, मप्र के 13 जिले बनेंगे पानीदार

जयपुर में पीएम मोदी की मौजूदगी में मप्र, राजस्थान व केंद्र के बीच त्रिपक्षीय समझौता भी हुआ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

20 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अंततः पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) नदी जोड़ो परियोजना के पहले चरण का शिलान्यास पीएम नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के जयपुर में मंगलवार को किया। इससे मप्र के 13 जिले गुना, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुर, उज्जैन सीहोर, मंदसौर, इंदौर, देवास, आगर मालवा, शाजापुर और राजगढ़ में 21 बैराज व बांध बनेंगे। इनमें नदियों का पानी रोका जाएगा, जो इन जिलों में सिंचाई, पीने के लिए और उद्योगों की जरुरत को पूरी करेगा।

पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा कि पानी पारस है, जहां भी स्पर्श करता है, नई ऊर्जा व शक्ति को जन्म देता है। यह नदियों के पानी को जोड़ने का ही परिणाम है कि साबरमती नदी जो एकदम सूख गई थी, आज फिर से सजीव हो गई है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) नदी जोड़ो परियोजना से मप्र व राजस्थान को न केवल सिंचाई व पीने का पानी मिलेगा, बल्कि राज्यों में विकास के नए द्वार खुलेंगे। पीएम मोदी 25 दिसंबर को मप्र के छतरपुर आएंगे, यहां केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की आधारशिला रखेंगे।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ कार्यक्रम में मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि मप्र व राजस्थान के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से यह परियोजना 20 वर्षों के लंबे इतंजार के बाद मूर्त रूप ले रहीं है। उन्होंने पीएम मोदी का आभार मानते हुए कहा कि उन्होंने आधुनिक युग के भागीरथ की तरह मप्र व राजस्थान को इस परियोजना के माध्यम से विकास की अदभुत सौगात दी।

D-11126/24

अंबेडकर पार्क में मना पेंशनर्स डे

75 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनरों का हुआ सम्मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पेंशन भोगी स्वर्गीय डीएस. नाकारा के पक्ष में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय को याद कर पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के आह्वान पर सैकड़ो पेंशनरों ने अंबेडकर पार्क में स्वर्गीय श्री डी एस नाकारा को कृतज्ञता के साथ याद किया। 42 वा राष्ट्रीय पेंशनर्स दिवस के मुख्य अतिथि जस्टिस एए एस श्रीवास्तव ने सभी ऊर्जावान पेंशनरों को संगठित रहने का आह्वान किया एवं संगठन को भरपूर आर्थिक मदद करने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन संतोष ठाकुर ने किया। भोपाल अध्यक्ष सुरेश शर्मा के नेतृत्व में किए गए आयोजन में पेंशनर हित में किया जा रहे प्रयासों एवं संगठन द्वारा दायर याचिकाओं पर सैकड़ो पेंशनरों ने संतोष व्यक्त किया एवं संगठन को हर संभव मदद करने का संकल्प लिया। संरक्षक गणेश दत्त जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने 75 वर्ष एवं अधिक आयु के 50 पेंशनरों को शाल-श्रीफल देकर सम्मानित किया। सक्सेना ने बताया कि सरकार द्वारा प्रदेश पेंशनरों की लगातार उपेक्षा के कारण मजबूरी में उच्च न्यायालय में तीन याचिकाएं दायर की गई है।

कल विधानसभा का घेराव करेंगे कर्मचारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कर्मचारी मंच की नेतृत्व दैनिक वेतन भोगी स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों का 11 सूत्रीय मांगों के समर्थन में किया जा रहा है जन जागरण आंदोलन दसवे दिन भी जारी रहा। अब अनियमित कर्मचारी वर्ग कर्मचारी मंच के नेतृत्व में 19 दिसंबर को भोपाल के वन भवन के सामने तुलसी नगर प्रांगण में एकत्रित होंगे तथा विधानसभा का घेराव करके मुख्यमंत्री को 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे। प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि प्रदेश के स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी अनियमित कर्मचारी नियमित करण के लिए संघर्ष कर रहे हैं श्रमिक वर्ग वेतन वृद्धि के लिए संघर्ष कर रहे वेतन वृद्धि का आदेश निरस्त होने के बाद दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को हजार रुपए का प्रतिमाह नुकसान हो रहा था अभी तक श्रम आयुक्त ने नए वेतन वृद्धि के आदेश जारी नहीं करे हैं।

संपादकीय

उस्ताद बनने का सफर

किसी भारतीय वाद्ययंत्र को अपने हुनर से दुनियाभर में प्रतिष्ठा दिलाने वाले मशहूर तबलावादक जाकिर हुसैन का दुनिया से जाना बहुत दुखदायी है। यह जाते हुए साल की त्रासदी सरीखा भी है। जाकिर हुसैन को तबले का कायदा घुट्टी में मिला था। पिता अल्लारक्खा कुरैशी भी मशहूर तबलावादक थे। संगीत के माहौल में ही उनकी परवरिश शुरू हुई थी। मगर जाकिर हुसैन जैसे पैदा ही तालवाद्य के लिए हुए थे। बचपन से ही उनकी अंगुलियां थिरकनी शुरू हो गई थीं। पिता ने उन्हें तबले की तालीम देनी शुरू की। बारह साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने वह काबिलियत हासिल कर ली थी कि अमेरिका के संगीत समारोह में अपना हुनर दिखा सकें। अमेरिका के पहले कार्यक्रम में ही उन्हें ऐसी शोहरत मिली कि फिर उन्होंने पीछे लौट कर नहीं देखा। जाकिर हुसैन ने उसे वाद्य के रूप में नहीं साधा, बल्कि तबले को उन्होंने जीया था। तबले में जितनी संभावनाएं उन्होंने तलाश कीं, उसकी जितनी बारीकियां उन्होंने उजागर कीं, उनसे पहले किसी तबला नवाज ने नहीं किया था। हर तरह के तालवाद्य और तारवाद्य के साथ उन्होंने जुगलबंदी की, देश और दुनिया के हर नामचीन गायक और वादक के साथ उन्होंने संगत की। अपनी पहले की पीढ़ी के भी, अपने समय और अपने बाद की पीढ़ी के भी। तबले को उन्होंने पश्चिमी देशों में भी प्रतिष्ठा दिलाई। जाकिर हुसैन न केवल अद्भुत तबलावादक थे, बल्कि उनका बजाने का अंदाज भी अनोखा था। तबला बजाते हुए उनके लंबे बाल जिस अंदाज में लहराते, लगता कि उनके बाल और ताल जुगलबंदी कर रहे हों। उनका वह अंदाज सभी को मोहता था। वे पहले वादक थे, जिन्होंने तबले से अन्य वाद्य यंत्रों की ध्वनियां भी निकालने का प्रयोग किया, जैसे उनका तबले से शिव के डमरु का नाद बहुत लोकप्रिय हुआ था। वे मंचीय प्रदर्शनों में तबले से धुनें निकाल कर भी कौतुक रच दिया करते थे। भारतीय शास्त्रीय संगीत के अलावा उन्होंने अमेरिकी जैज में भी अपने तबले से नया रंग भर दिया। इसका नतीजा था कि इसी साल अप्रैल में उन्हें एक साथ तीन ग्रेमी अवार्ड प्राप्त हुए। इससे पहले उन्हें दो ग्रेमी मिल चुके थे। ग्रेमी अवार्ड संगीत की दुनिया का सबसे बड़ा सम्मान माना जाता है। उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय भी किया था, कई विज्ञापन उनके अभिनय से यादगार हो गए। भारत सरकार उन्हें तीनों पद्म सम्मानों से सम्मानित कर चुकी थी। उनका जाना निस्संदेह ताल की दुनिया को कुछ सूना कर गया है।हालांकि जाकिर हुसैन का अपना संघर्ष भी था जो उन्होंने अपने अबोध जीवन की शुरूआत में किया। खुद उन्होंने ही लेखिका नसरीन मुन्नी कबीर की किताब 'जाकिर हुसैन- एक संगीतमय जीवन' में अपनी जिंदगी जुड़ी यह बात साझा की थी कि- 'मेरे पैदाइश के वक्त से ही मेरे वालिद दिल की बीमारी से परेशान थे और उनकी तबीयत खराब रहती थी। इसी दौरान हमारे घर का थोड़ा बुरा वक्त भी शुरू हो गया। अम्मा का कान में किसी ने बात डाल दी कि ये बच्चा बेहद मनहूस है। फिर अम्मा ने मुझे दूध नहीं पिलाया। एक करीबी ने मुझे पाला, वो मेरे लिए सरोगेट मदर जैसी रहीं।' मगर बाद में मां का नजरिया बदला और वे अपने हुनर को तराशने लगे। उल्लेखनीय है कि एक् वक्त पं रविशंकर ने उन्हें उ्स्ताद कहा था। बहरहाल उन्होंने संगीत के लिये जो योगदान दिया, उसको आने वाली पीढी के लिये यादगार बनाया जाना चाहिये। निश्चित तौर पर केंद्र व राज्य सरकारों को इसके लिये पहले करना होगी।

एक व्यक्ति को वही स्वप्न देखना चाहिए, जो पूरा हो, क्योंकि सपने टूटने या पूरा न होने पर दुख अधिक होता है।
- तुलसीदास

आज का इतिहास

- 2017- राष्ट्रमंडल कुश्ती चैंपियनशिप में भारत ने जीते 30 में से 29 स्वर्ण।
- 2014- सबसे भारी रॉकेट जीएसएलवी मार्क-3 का सफल प्रक्षेपण।
- 2015- ब्रिटेन के कोयला खादान केलिंगले केलियरी को बंद किया गया।
- 2008- ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण।
- 2007- जापान ने इंटरसेप्टर मिसाइल का परीक्षण।
- 2006- मलेशिया में बाढ़ से कम से कम 118 लोगों की मौत तथा चार से लाख से अधिक बेघर।
- संयुक्त अरब अमीरात में पहली बार चुनाव।
- 2005- कनाडा में गृहयुद्ध की शुरुआत।
- 2002- हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने सिपिदानर लिगितान द्वीपों पर नियंत्रण के मामले में मलेशिया के अधिकार की पुष्टि की।
- 2000- फ्रांस के जाने-माने अभिनेता कराई ब्लेन का निधन।
- 1999- श्रीलंका की राष्ट्रपति चंद्रिका कुमार तुंग पर जानलेवा हमले में 25 लोगों की मृत्यु तथा 100 घायल।
- 1997- भारत और अमेरिका के मध्य अंतरिक्ष अनुसंधान में सहयोग के लिए वाशिंगटन संधि सम्पन्न।
- 1995- अज्ञात विमान ने पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में हथियारों का जखीरा गिराया।
- 1989- सचिन ने अपना पहला एकदिवसीय क्रिकेट मैच पाकिस्तान के ख़िलाफ़ खेला था।
- 1973- इस्लामिक डवलपमेंट बैंक की स्थापना।
- 1960- नयी दिल्ली में राष्ट्रीय संग्रहालय का शुभारंभ।
- 1878- अल-थानी परिवार कतर पर शासन करने वाला पहला परिवार बना।

निशाना

हो ऐसे तैयारी !

-कृष्णेन्द्र राय

मिल रही नसीहत ।
हो ऐसे तैयारी ।।
रणनीति पर काम ।
होगा रखना ज़ारी ।।
गुरु मंत्र मिल रहा ।
पल पल हो सुधार ।।
कैसे भी बढ़ाना है ।
अपना ये आधार ।।
झोंकनी है ताक़त ।
आ गया वो वक्त ।।
ना बनना है ढ़ीला ।
हो जाना है सख्त ।।
बढ़ते जाना आगे ।
हों विरोधी पस्त ।।
सीटें बढ़ने वाली ।
हैं करते आश्वस्त ।।

गिग अर्थव्यवस्था में बढ़ते जॉब्स के साथ चुनौतियां

■ **डॉ. जयंतीलाल भंडारी**

इन दिनों पूरे देश में गिग अर्थव्यवस्था में नौकरियां एक बड़ी चुनौती के रूप में दिखाई दे रही हैं। हाल ही में फोरम फॉर प्रोग्रेसिव गिग वर्कर्स द्वारा भारत की गिग अर्थव्यवस्था पर आयोजित एक वेबिनार में भारत की गिग अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र प्रकाशित किया गया है। इसमें कहा गया है कि भारत में गिग अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 तक 17 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 455 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। श्वेत पत्र के अनुसार भारत के जीडीपी में गिग अर्थव्यवस्था का योगदान वर्ष 2030 तक 1.25 प्रतिशत के स्तर पर होगा।

गौरतलब है कि देश में सरकारी क्षेत्र की नौकरियों में कमी आ रही है, लेकिन गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके छलांगें लगाकर बढ़ रहे हैं। गिग अर्थव्यवस्था का मतलब है अनुबंध आधारित या अस्थायी रोजगार (गिग वर्क) वाली अर्थव्यवस्था। गिग अर्थव्यवस्था के तहत गिग वर्कर प्रोजेक्ट-दर-प्रोजेक्ट आधार पर काम करते हैं और सेवाएं देते हैं। कोविड-19 के बाद डिजिटलीकरण के प्रसार ने गिग अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। जहां शहरी क्षेत्रों में गिग वर्कर को अभी तक कंस्ट्रक्शन, मैन्यूफैक्चरिंग, डिलिवरीज जैसे श्रम आधारित और कम योग्यता आधारित कार्यों से जोड़कर देखा जाता रहा है, वहीं अब गिग वर्किंग के मौके व्हाइट कॉलर जॉब में भी बढ़ रहे हैं, जहां उच्च स्तर के कौशल और शिक्षा की जरूरत होती है। काम के ऐसे मौके ई-कॉमर्स, फिनटेक, हेल्थटेक, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य, बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे हैं।

खास बात यह कि गिग अर्थव्यवस्था के तहत अब महिलाएं भी पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है। महिलाओं की भागीदारी गिग अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में दिख रही है। चाहे मार्केटिंग हो या फाइनेंस, महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। महिलाएं इस समय फ्रीलांसिंग में भी सबसे

ज्यादा दिलचस्पी दिखा रही हैं।

उल्लेखनीय है कि गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके बढ़ने के संबंध में नीति आयोग के आंकड़े भी महत्वपूर्ण हैं। नीति आयोग के मुताबिक देश में इस समय 77 लाख गिग कर्मी हैं। ऐसे कर्मियों की संख्या तेजी से बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। इसका कारण है कि गिग कर्मियों की व्यवस्था फिलहाल केवल शहरी क्षेत्र में ही है और मुख्य रूप से ये सेवा क्षेत्र में सक्रिय हैं। मगर अब इनका दायरा बढ़ेगा तो गिग कर्मियों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। नीति आयोग के आकलन के अनुसार भारत में गिग वर्कर्स की संख्या 2030 तक बढ़कर करीब 2.3 करोड़ हो जाएगी। देश में टियर-2 और टियर-3 शहरों में गिग अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। खासतौर से मुंबई, दिल्ली, पुणे, बेंगलूरु, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, इंदौर और चेन्नई सहित देश के छोटे-बड़े शहरों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष गिग नौकरियां निर्मित होती दिखाई दे रही हैं। देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और रोजगार से संबंधित विषयों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि देश में गिग अर्थव्यवस्था के कारण विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर में तेजी से कमी आ रही है और रोजगार के मौके बढ़ रहे हैं। चूंकि गिग कर्मचारी अक्सर संगठित और असंगठित श्रम के बीच ग्रे जोन में आते हैं, जिससे लाभ और संसाधन प्रभावित होते हैं, इसलिए प्लेटफॉर्म कंपनियां तेजी से गिग श्रमिकों के लिए बेहतर कामकाजी परिस्थितियों को प्राथमिकता दे रही हैं। इसके तहत मॉनसून के दौरान टिकाऊ रेनकोट प्रदान करने से लेकर आराम करने के क्षेत्र की स्थापना और गर्मी के मौसम के दौरान पानी की सुविधा शामिल हैं। खासतौर से अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, ज़ोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियां अपने कर्मचारियों के कल्याण के परिप्रेक्ष्य में सक्रिय रूप से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए दिखाई दे रही हैं।

फिर भी अभी देश में गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा पर पूर्ण रूप से ध्यान दिया जाना होगा। खासतौर से हमें गिग-वर्कर्स के लिए भविष्य निधि और पेंशन और बीमा संबंधी कवरेज और लाभों के बारे में सोचना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में नीति आयोग ने 'इंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफॉर्म इकोनॉमी' शीर्षक से जो रिपोर्ट लॉन्च की है, उसके तहत अन्य बातों के साथ ही गिग वर्कर्स और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों का विस्तार करने की सिफारिश की गयी, जिसमें बीमा और पेंशन जैसी योजनाएं शामिल हैं। यद्यपि देश में गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 (संहिता) अधिनियमित हो चुकी है लेकिन अभी तक प्रभावी नहीं है। यह संहिता सरकार को जीवन और विकलांगता कवर, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा और क्रेच लाभ प्रदान करने के लिए गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं तैयार करने में सक्षम बनाती है। देश में गिग वर्कर्स के लिए ऐसी योजनाएं-नीतियां बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी में आगे बढ़ानी होंगी, जिसमें एक फर्म या सरकार के सहयोग द्वारा विशिष्ट रूप से ऐसा डिजाइन हो, जैसा कि सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत परिकल्पित है। कई देशों में गिग वर्कर्स को 'वर्कर्स' के रूप में वर्गीकृत करके जो मॉडल स्थापित किया गया है, उस पर ध्यान दिया जाना होगा। यह वर्गीकरण गिग वर्करों के लिये न्यूनतम वेतन, सवेतन अवकाश, सेवानिवृत्ति लाभ योजना और स्वास्थ्य बीमा सुरक्षित करता है। गिग वर्करों को राजकोषीय प्रोत्साहन जैसे टैक्स-ब्रेक या स्टार्टअप अनुदान प्रदान किए जा सकते हैं। गिग प्लेटफ़ॉर्म क्षेत्र की क्षमता का दोहन करने के लिए विशेष रूप से प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लिए डिज़ाइन किए गए उत्पादों के माध्यम से क्षेत्रीय और ग्रामीण व्यंजन, स्ट्रीट फूड, स्व-रोज़गार व्यक्तियों को कस्बों और शहरों के व्यापक बाजारों में अपने उत्पाद बेचने के लिए प्लेटफार्म्स से जोड़ा जा सकता है। देश में गिग वर्कर्स को केवल कुछ ही फर्म ऑन-वर्क दुर्घटना बीमा प्रदान करती हैं; इसे सभी नियोक्ताओं द्वारा प्रदान किया जा सकता है। कामगारों को संकटपूर्ण समय या सेवानिवृत्ति के लिये बचत करने में मदद करना भी कंपनियों को गंभीरता से लेना होगा। जिसका एक तरीका हो सकता है कि इनके द्वारा न्यूनतम स्वैच्छिक योगदान किया जाए जो एक कॉर्पस फंड में जमा हो। सरकार द्वारा शिक्षा, वित्तीय सलाह, विधिक कार्य, चिकित्सा या ग्राहक प्रबंधन क्षेत्रों जैसे उच्च-कौशल गिग वर्कर्स के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी होगी, जिससे भारतीय गिग वर्कर्स की वैश्विक बाज़ारों तक पहुंच सुगम बनायी जा सके। इसके साथ ही, सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने की ज़िम्मेदारी साझा करने हेतु निष्पक्ष, पारदर्शी तंत्र स्थापित करने के लिये सरकारों, गिग प्लेटफॉर्म और श्रम संगठनों के बीच सहयोग की आवश्यकता होगी। निश्चित रूप से देश में गिग वर्कर्स को यदि सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी, तो गिग वर्कर्स के रूप में काम कर रही देश की नई पीढ़ी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ सकेगी और देश उनके अधिकतम योगदान से तेजी से विकास की डगर पर बढ़ेगा।

(साभार : लेखक अर्थशास्त्री हैं, यह उनके अपने विचार हैं)

महात्मा गाँधी की तरह ही 'नाकाम' पर अकेली उम्मीद हैं राहुल !

■ **पंकज श्रीवास्तव**

हाथरस के पीड़ित दलित परिवार को शायद ही यक़ीन रहा हो कि उनकी बेबसी का बयान करती चिट्ठी के जवाब में राहुल गाँधी उसके आँगन में आँसू पोंछने पहुँच जाएँगे। लेकिन यह साफ़ है कि अपनी बेटी के बलात्कारियों और हत्यारों की आज़ादी और योगी आदित्यनाथ सरकार की इस मुद्दे पर पहले दिन से बरती गयी संवेदनहीनता से आहत इस परिवार को कहीं से उम्मीद थी तो वह राहुल गाँधी थे। यह राहुल गाँधी की राजनीति का सबसे बड़ा 'हासिल' है कि देश के हर कोने का वंचित-उत्पीड़ित समुदाय उन्हें उम्मीद भरी डबडबाई नज़र से देख रहा है। मणिपुर से लेकर हाथरस और वायनाड से लेकर संभल तक के हताश-निराश पीड़ितों को जब राहुल गाँधी गर्मजोशी से गले लगाते हैं तो उनके मन में जीने की नयी लौ जल जाती है।मौजूदा राजनीति में राहुल गाँधी को मिला यह 'स्थान' किसी भी 'आसन' से बढ़कर है। 'नेता प्रतिपक्ष' का पद भी इसके सामने छोटा है। मौजूदा दौर में अखिल भारतीय स्तर पर विपक्ष का कोई भी नेता इस 'स्थान' के आसपास भी नहीं है। कल्पना ही की जा सकती है कि अगर विपक्ष के बाक़ी नेता भी राहुल गाँधी जैसी शिद्दत के साथ देश की पीड़ा से जुड़ने में ख़ुद को झोंक देते तो मौजूदा राजनीति का क्या स्वरूप होता? कहने के लिए तो सांप्रदायिकता सभी का मुद्दा है पर राहुल गाँधी ही कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल चलते हैं सिर्फ़ यह बताने के लिए कि नफ़रत इस देश को तोड़ देगी। फिर वे पूरब से पश्चिम की भी ऐसी ही यात्रा करते हैं। राहुल गाँधी की लगभग दस हज़ार किलोमीटर की इन यात्राओं में चुनावी राज्यों को लगभग दरकिनार कर दिया गया जो तमाम समझदारों की नज़र में 'ब्लंडर' था। लेकिन कौन भूल सकता है कि इन यात्राओं ने देश का मिज़ाज बदलने में ऐतिहासिक भूमिका अदा की।लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में हार के बाद राहुल गाँधी को नाकाम बताने का अभियान सत्तापक्ष से ही नहीं विपक्षी खेमे की ओर से भी चल पड़ा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि अगर कांग्रेस इंडिया गठबंधन का नेतृत्व नहीं कर पा रही है तो वे इस जगह को लेने के लिए तैयार हैं। शरद पवार ने इसका समर्थन किया है और आश्चर्यजनक रूप से कांग्रेस के सबसे विश्वस्त सहयोगी रहे लालू यादव ने भी इस विचार पर मुहर लगायी है। हालाँकि किसी ने यह नहीं बताया है कि राहुल गाँधी या कांग्रेस का कौन सा नेता इंडिया गठबंधन के किस 'पद' पर है जिससे उसे 'हट' जाना चाहिए।

यह सब तब हुआ जब गौतम अडानी के मुद्दे पर कांग्रेस लगातार संसद परिसर में प्रदर्शन कर रही है क्योंकि संसद के अंदर सवाल उठाने की इजाज़त नही है। गौर करने की बात है कि इंडिया गठबंधन में शामिल कई दल इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हैं। अडानी और क्रोनी कैपिटलिज़्म के ख़िलाफ़ दस्तावेज़ी प्रमाण लेकर संसद में दहाड़ने वाली टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा भी सुर्ख़ियों से ग़ायब हैं। भविष्य ही बताएगा कि यह चुप्पी मोर्चा छोड़ने की आहट है या किसी संधि-प्रस्ताव से बँध जाने की। या यह उस कांग्रेस को समय रहते रोकने की कोशिश है जिसकी ज़मीन तोड़कर ही ये सारे दल पनपे हैं और जो राहुल जैसे नेता के स्पष्ट सामाजिक और आर्थिक एजेंडे के ज़रिए पुनर्नवा होने की ओर बढ़ रही है।ऐसा नहीं है कि कांग्रेस इसे देख नहीं रही है, लेकिन राहुल गाँधी अडानी के मसले पर ज़रा भी झुकने को तैयार नहीं हैं। वे इसकी क़ीमत भी जानते हैं जो राजनीतिक के साथ-साथ आर्थिक भी है। बीते दिनों तेलंगाना में रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने गौतम अडानी से मिल रहे सौ करोड़ रुपये का दान वापस करने की घोषणा की जो इतिहास की एक विरल घटना है। राजनीतिक दल पूँजीपतियों से चंदा लेने के लिए तो बदनाम रहे हैं लेकिन यह पहली बार है जब सौ करोड़ रुपये जैसी बड़ी राशि किसी पूँजीपति को वापस करने का ऐलान किया गया है। तेलंगाना सरकार ने कहा है कि अमेरिका की अदालत से अडानी के ख़िलाफ़ जारी वारंट के बाद बदली परिस्थिति में यह फ़ैसला किया गया है।पक्ष-विपक्ष दोनों को वित्त-पोषित करने की यह रणनीति

देश के संसाधनों को लूटने की सहूलत देती है। पैसे से सत्ता और सत्ता से पैसे का खेल चलता रहता है। देश का सौभाग्य है कि राहुल गाँधी ने इस खेल में शामिल होने से इंकार कर दिया है। जिस पार्टी को संसाधनों से पंगु कर दिया गया हो, उसका ऐसा फ़ैसला करना बड़े कलेजे की माँग करता है। पिछले दिनों देश के सबसे बड़े पूँजीपति मुकेश अंबानी के घर हुई शादी में पूरा पक्ष-विपक्ष मेहमान था, सिवाय राहुल गाँधी के। यही नहीं, जब मुकेश अंबानी दावतनामा लेकर सोनिया गाँधी से मिलने पहुँचे थे तो राहुल गाँधी दिल्ली के मज़दूरों के बीच चले गये थे। उस समय लोकसभा चुनाव क़रीब थे और पार्टी को संसाधनों की बेहद ज़रूरत थी लेकिन राहुल गाँधी ने स्पष्ट संदेश दिया था। यानी राहुल गाँधी का अडानी विरोध कोई 'ख़ब्त' नहीं है। वे इसकी क़ीमत चुकाने के लिए तैयार हैं। यह उनकी वैचारिक स्पष्टता और प्रतिबद्धता को दिखाता है। वे मानते हैं कि मोदी सरकार जिस तरह अडानी के एजेंट की तरह रात-दिन काम कर रही है, वह देश की आर्थिक सेहत के लिए काफ़ी नुक़सानदेह है। उन्होंने इस परिस्थिति की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से की है जिसने लोगों को डरा-धमकाकर या प्रलोभन देकर अपने पाले में घसीटा और देश ग़ुलाम हो गया। सत्ता संरक्षित कॉरपोरेट एकाधिकार उसी कंपनी राज का दोहराव है। ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग करके या फिर पैसे के दम पर सरकारें तोड़कर विपक्ष की आवाज़ों को जिस तरह ख़ामोश किया जाता है, उसका मक़सद देश के जल, जंगल और ज़मीन की लूट ही है। मोदी राज में देश पर क़र्ज़ दो सौ लाख करोड़ से भी ज़्यादा हो गया है जबकि उनके आने से पहले 67 साल में कुल 55 लाख करोड़ का क़र्ज़ ही देश पर चढ़ सका था। इसकी क़ीमत आने वाली पीढ़ियों को हर हाल में चुकानी होगी।

राहुल गाँधी की नज़र में ये महज़ आर्थिक लड़ाई नहीं है। इसका सीधा संबंध सामाजिक न्याय की लड़ाई से भी है। सार्वजनिक क्षेत्र के अंधाधुंध निजीकरण ने दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के पक्ष में की गयी आरक्षण जैसी व्यवस्था को बेमानी बना दिया है।हाल में चार राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए और दो एनडीए ने जीते और दो इंडिया गठबंधन के पाले में गये। पैसा और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के विकट खेल के बावजूद झारखंड में इंडिया गठबंधन को उल्लेखनीय जीत हासिल हुई। लेकिन राहुल गाँधी पर आरोप है कि वे इंडिया गठबंधन को जीत नहीं दिला पा रहे हैं, जैसे कि महाराष्ट्र में हार की ज़िम्मेदारी केवल कांग्रेस पर है और अपनी पार्टी को टूट से न बचा पाने वाले शरद पवार की कोई ज़िम्मेदारी नहीं है। एक क्षण के लिए मान भी लिया जाए कि सारी ज़िम्मेदारी अकेले राहुल की है पर क्या उनकी ओर से उठाये गये मुद्दे भी ग़लत हैं? अगर अमेरिका की अदालत ने देश के दूसरे सबसे बड़े उद्योगपित अडानी के ख़िलाफ़ वारंट जारी किया और हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अड़ानी ही नहीं सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच भी भ्रष्ट साबित हो रही हैं तो क्या मुख्य विपक्षी दल को इसकी जाँच की माँग नहीं करनी चाहिए? फिर इंडिया गठबंधन को साथ न ले चलने का सवाल उठाने वाली ममता बनर्जी को भी इसका जवाब देना चाहिए कि वे प.बंगाल में कांग्रेस या वामपंथी दलों को साथ क्यों नहीं रख पायीं?

दरअसल, राहुल गाँधी की नाकामी वैसी ही है जैसे कि महात्मा गाँधी की नाकामी थी। महात्मा गाँधी 1915 में भारत लौटे और पहला आंदोलन छह-सात साल बाद यानी 1921 में खड़ा हो पाया पर इस असहयोग आंदोलन को भी उन्होंने चौरी-चौरा कांड के बाद वापस ले लिया। अगला आंदोलन आठ साल बाद 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के रूप में शुरू हुआ जब वे क़ानून तोड़कर नमक बनाने के लिए दाँडी के समुद्र तट पर पहुँचे। इसके बाद देश को तैयार करने में 12 साल और लग गये। 1942 में देश 'अंग्रेज़ों भारत छोड़ो' या 'करो या मरो' से गूँज उठा पर आज़ादी फिर भी पाँच साल बाद मिल पायी। क्या इतना समय लगने को महात्मा गाँधी को नाकाम कहेंगे? आज़ादी के साथ देश में जैसी अभूतपूर्व नफ़रत देखी गयी उसे तो महात्मा गाँधी ने ख़ुद अपनी 'नाकामी' कहा है तो क्या सचमुच वे नाकाम थे?महात्मा गाँधी के समय ऐसा मीडिया नहीं था जो आज़ादी की बात करने के लिए उन्हें देशद्रोही ठहराता। या उनके आंदोलनों के बीच सालों के गैप को देखते हुए उन्हें चुका हुआ घोषित कर देता। राहुल के समय ऐसा ही मीडिया है जो चौबीस घंटे सत्ता की दुंदुभि बजाता है और राहुल गाँधी को निशाने पर लिए रहता है। यह मीडिया उसी कॉरपोरेट से नियंत्रित है जिसके आर्थिक हित मोदी सरकार से जुड़े हैं और जो राहुल की क़ामयाब होने की आशंका से ही घबरा जाता है।

इतिहास गवाह है कि क़ामयाब लोगों से ज़्यादा वे 'नाकाम' लोग आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते हैं जो सच्चाई, साहस और सद्भाव के रास्ते पर चलते हुए कभी ज़िंदा जलाये जाते हैं, कभी ज़हर का प्याला पीते हैं तो कभी सीने पर गोलियाँ झेलते हैं। ये सभी अपने दौर की विधि-व्यवस्था की नज़र में अपराधी या देशद्रोही होते हैं लेकिन आने वाले दिनों में देश ऐसे ही लोगों से पहचाने जाते हैं। उनकी प्रतिमाएँ सरहद पार भी लगती हैं जबकि उन्हें सज़ा देने वाले ताजदार इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिये जाते हैं। भविष्य ही तय करेगा कि राहुल गाँधी को वह मुक़ाम हासिल होता है कि नहीं, लेकिन राहुल उसी राह के राही हैं, इसमें कोई शक़ नहीं है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आचार्य चाणक्य कप टेनिस प्रतियोगिता : बीसीसी, गुर्जर समेत पांच टीम अगले दौर में

इटारसी, दोपहर मेट्रो

आचार्य चाणक्य सर्वधर्म सद्भाव समिति के तत्वावधान में आचार्य चाणक्य कप टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता में आज भी छह मैच खेले गये। प्रतियोगिता में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर पहले ही मैच में बीसीसी क्लब ने बनाया। आज बीसीसी क्लब, गुर्जर क्लब, सिंध क्लब, केसीसी इलेवन, मीनेश क्लब और भारतीय क्लब ने मैच जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। आयोजन समिति के संयोजक जितेन्द्र ओझा ने बताया कि आज पहले मैच में बीसीसी क्लब ने निर्धारित 8 ओवर्स में

अब तक का सबसे बड़ा स्कोर 122 रन बनाये। जवाब में लोधा वॉरियर्स 69 रन ही बना सकी। मैन ऑफ द मैच मनीष पासवान रहे। दूसरे मैच में गुर्जर क्लब ने एनजीएल क्लब को 4 विकेट से हराया। मैन ऑफ द मैच मनीष पटेल रहे। तीसरे मैच में सिंध क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सैंकड़ा जमाया। 104 रनों का पीछा करने उतरी संत रविदास की टीम 99 का शिकार हो गयी और सिंध क्लब ने मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच अप्पल रहे। चौथे मैच में केसीसी क्लब और भारत क्लब के मध्य मुकाबला हुआ, जिसमें केसीसी क्लब ने 4 विकेट से जीत हासिल की। पांचवे मैच में संत शिरोमणि नामदेव क्लब और मीनेश क्लब के मध्य मुकाबला हुआ। इसमें मीनेश क्लब ने जीत हासिल की। टीम के आशीष मीना मैन ऑफ द मैच रहे। आज का छटवा और आखिरी मैच वाल्मिकी क्लब और भारतीय क्लब के मध्य खेला गया। इसमें भारतीय क्लब ने जीत हासिल की। आदिल खान दुर्रानी मैन ऑफ द मैच रहे।

खिलाड़ियों से परिचय

आज व्यापारी अनिल राठी, पार्षद राहुल प्रधान, हॉकी खिलाड़ी रविन्द्र जोशी, अजीज जैन, मो. जाफर सिद्दीकी, व्यापार महासंघ के सचिव सनमुखदास सन्नी चेलानी, राजेन्द्र अग्रवाल, सीनियर क्रिकेटर सुनील औरंगाबादकर, प्रकाश पहलवान ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके जीत की शुभकामनाएं दीं।

कमेंट्री से बांधा समा

तकनीकि टीम के साथ ही क्रिकेट की कमेंट्री से वरिष्ठ खिलाड़ी राकेश पांडेय समा बांध रहे हैं। उनकी कमेंट्री करने का अंदाज लोगों को भा रहा है।

नेहरू युवा केंद्र में जिला स्तरीय खेल स्पर्धा संपन्न

नर्मदापुरम। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वार संचलित नेहरू युवा केंद्र नर्मदापुरम में आयोजित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। जिसमें दो विधाओं में रस्सा कसी एवं गोला फेंक में शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम के राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। नेहरू युवा केंद्र जिला अधिकारी मोनिका चौधरी , राष्ट्रीय सेवा योजना से जिला समन्वयक डॉ. डी .एस .खत्री , शासकीय विधी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शिवाकांत मौर्य उपस्थित रहे।

तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के जबलपुर-तेन्दूखेड़ा मार्ग पर हुआ हादसा

शार्ट सर्किट से चलती कार में लगी आग, लोगों ने उतरकर बचाई जान

फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही जलकर खाक हुई कार

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

सोमवार को तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेन्दूखेड़ा पाटन मार्ग पर नरगुवा की घाट पर एक कार में शार्ट सर्किट से आग लग जाने का घटनाक्रम मामला सामने आया है घटना की जानकारी लगते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया लेकिन फायर ब्रिगेड वाहन मौके पर पहुंचा तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है और ना ही वाहन में सवार लोगों को हानि पहुंची है लेकिन आग में कार खाक हो गई है।

प्राप्त जानकारी अनुसार पाटन से तेन्दूखेड़ा आ रहे सुरेंद्र सिह ठाकुर अपनी डस्टर कार क्रमांक स्प्र20द्व14444 आ रहे थे तभी तेन्दूखेड़ा मुख्यालय से पांच किमी दूर नरगुवा की घाट पर शाम लगभग 7 बजे कार में अचानक से कुछ जलने की बदबू आई तो कार मालिक ने सड़क किनारे कार को रोक कर कार में देखा तो कार में आग लगी हुई थी आनंद फानदं में कार सवार कार से उतरकर दूर जा खड़े हुए और उन्होंने तत्कालीन तेंदूखेड़ा में अपने रिश्तेदारों को फोन लगाकर इसकी जानकारी दी साथ ही नगर परिषद के फायर ब्रिगेड वाहन को फोन किया नगर से जब तक फायर ब्रिगेड वाहन पहुंचा तब तक कार जल कर खाक हो गई थी कार में ठाकुर सुरेंद्र सिंह एवं केशव सिंह ठाकुर सवार थे कार में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी जहां कार में आग लगने की जांच की जा रही है वहीं आग की लपटे इतनी तेज थी कि सड़क के दोनों और आधा घंटे तक जाम जैसे हालात बने रहे दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई थी जब मौके पर फायर ब्रिगेड वाहन पहुंचा और आग को बुझाया गया तब दोनों ओर खड़े वाहनों का निकलना शुरू हुआ पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

ग्रामीण मंडल अध्यक्षों की घोषणा से समर्थकों में जश्न का माहौल

- तेंदूखेड़ा से संत कुमार पाल बने नए मंडल अध्यक्ष लोगों ने दी शुभकामनाएं*

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

भाजपा के संगठनात्मक चुनाव में जबेरा विधानसभा के ग्रामीण मंडल अध्यक्षों की घोषणा होते ही समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है पार्टी के निर्वाचन अधिकारी विवेक शेजवलकर के अनुमोदन व दमोह के पर्यवेक्षण नरेंद्र बिल्थरे की सहमति के उपरांत भाजपा जबेरा ग्रामीण में निर्धारित मापदंडों के आधार पर मंडल अध्यक्षों की घोषणा की गई है जबेरा विधानसभा के तेन्दूखेड़ा मंडल से संत कुमार पाल तारादेही मंडल से मनोहर सिंह लोधी तेजगढ़ मंडल से संग्राम सिंह लोधी सिग्रामपुर मंडल से मंदीप यादव बनवार मंडल से रोहित जैन नोहटा मंडल से सत्यपाल सिंह लोधी जबेरा मंडल से बंटी दुबे के नाम की घोषणा की गई है।

भाजपा जबेरा ग्रामीण मंडल के अध्यक्षों की घोषणा होते ही भाजपा कार्यकर्ता और समर्थकों में हर्ष की लहर दौड़ गई है कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी नियुक्ति को संगठन के लिए सकारात्मक कदम बताया है साथ ही उनके निवास पर लोगों द्वारा बधाईयां दी जा रही है। ग्रामीण मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति ने न केवल पार्टी में उत्साह का माहौल पैदा किया है बल्कि भाजपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में संगठन के भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगाई है माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में पार्टी को नई ऊंचाई मिलेगी और संगठन की जुड़े और मजबूत होगी. पूर्व राज्यमंत्री दशरथ सिंह लोधी सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह लोधी व अन्य नेताओं का कहना है कि मंडल अध्यक्षों का चयन उनकी संगठनात्मक क्षमता और मेहनत का परिणाम है वे सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे इन चयनित मंडल अध्यक्षों के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने संगठन के लक्ष्यों को नई दिशा देने का संकल्प लिया है।

सुबह जैसे ही मंडल अध्यक्षों की घोषणा हुई वैसे ही कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने शुभकामनाएं व बंधाई देने का क्रम शुरू हो गई तेंदूखेड़ा से मंडल अध्यक्ष सतकुमार पाल को बनाए जाने पर समस्त भाजपा के कार्यकर्ता व समर्थकों ने नए मंडल अध्यक्ष को शुभकामनाएं दी एवं मिठाई से मुंह मीठा कराया।

विजय दिवस पर पुलिस बैंड ने देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

भारत के इतिहास में 16 दिसंबर का दिन गौरव और विजय प्रतीक है। इसी दिन 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में भारतीय सेना को अभूतपूर्व विजय प्राप्त हुई थी। इस विजय की स्मृति में 'मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व' एवं 'विजय दिवस' पर समस्त जिला पुलिस की इकाईयों में पुलिस बैंड द्वारा देशभक्ति गीतों का प्रस्तुतीकरण करने हेतु पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा निर्देश जारी किए गए थे । प्राप्त निर्देश के पालन में पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम डॉ. गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन में बीएसएनएल तिराहे पर पुलिस बैंड की प्रस्तुति सांस्कृतिक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस बैंड द्वारा देशभक्ति गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति की गई । पुलिस बैंड ने अपने सुरों के माध्यम से देशप्रेम, एकता और बलिदान की भावना को जीवंत कर दिया। दर्शकों ने देशभक्ति गीतों पर उत्साह और गर्व के साथ तालियां बजाकर बैंड के प्रदर्शन की सराहना की, इस अवसर पर जोनल पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश शुक्ला, पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह सहित जिले के कई गणमान्य नागरिक, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे। वातावरण में गूंजते पुलिस बैंड की देशभक्तियुक्त स्वर लहरियों ने श्रोताओं के मन में राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध और गौरव का संचार किया। मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व एवं विजय दिवस के अंतर्गत इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य जनमानस में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और देशभक्ति की भावना को और अधिक सशक्त करना है।

कन्या छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार अध्यक्ष / प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में तथा श्रीमती शशि सिंह, जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में दिनांक 17 दिसंबर 2024 को शासकीय जनजाति उत्कृष्ट सीनियर कन्या छात्रावास जुमेराती में आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवायें योजना तथा महिलाओं एवं बच्चों के कानूनी अधिकार पॉक्सों एक्ट, मोटर व्हीकल एक्ट विषय पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त विधिक साक्षरता शिविर की मुख्य अतिथि श्रीमती शशि सिंह द्वारा छात्रावास में निवासरत बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई एवं उन्हें पढ़ने-लिखने, खेलने-कूदने, खाने-पीने की सलाह दी गई एवं पॉक्सो एक्ट, मोटर व्हीकल एक्ट आदि

के बार में जानकारी प्रदान की गई। उक्त विधिक साक्षरत शिविर में उपस्थित न्यायाधीश सुश्री नुरूनिशा अंसारी, द्वारा छात्राओं को उनके करियर काउंसलिंग के विषय में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये एवं भविष्य में वे क्या बनना चाहते है, उसके लिये अभी से अपने लक्ष्य को निर्धारित करते हुये लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अध्ययन पर विशेष ध्यान देने हेतु प्रेरित किया गया। विधिक साक्षरता शिविर में श्रीमती शशि सिंह, जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिविल जज जूनियर डिवीजन, श्रीमती नुरूनिशा अंसारी, छात्रावास की अधीक्षिका श्रीमती अंजना चौबे व छात्राएं मौजूद रही।

भारत को जानो सामान्य ज्ञान की प्रतियोगिता आयोजित..

नर्मदापुरम.भारत विकास परिषद जिला इकाई नर्मदापुरम के तत्वाधान में नर्मदापुरम के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में भारत को जानो सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई थी । जिसमें लगभग 250 विद्यार्थी सम्मिलित हुए । इस प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर चयनित विद्यार्थी को प्रांत स्तरीय परीक्षा में सम्मिलित कराया गया। प्रांत स्तरीय परीक्षा में सेमरिटंस स्कूल के छात्र कृष साहू ने प्रथम एवं शा. कन्या उ. मा. विद्यालय की छात्रा कु. दिशा राजपूत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । इसके अतिरिक्त अन्य संस्था सरस्वती शिशु विद्या मंदिर एवं पब्लिक स्कूल के छात्र छात्राओं को इस उपलब्धि पर भारत विकास परिषद के संरक्षक डॉ. अतुल सेठा,अध्यक्ष डी. एस. दांगी, सचिव श्रीमती वंदना शर्मा के मार्ग दर्शन में परिषद के सभी सम्माननीय पदाधिकारी सर्व श्रीमती दुर्गा भदौरिया, श्रीमती ममता शर्मा, श्रीमती अनुजा मिश्रा, श्रीमती ज्योति राजपूत, हरिसिंह चौहान, चंद्रशेखर शर्मा, ष्ट्र.पवन , अमन दुबे , श्रीमती शीला मिश्रा चौधरी, भरत राजपूत द्वारा जिला एवं प्रांत स्तर पर चयनित छात्र छात्राओ को उनकी संस्था में पहुंच कर प्रमाण पत्र, शील्ड एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया । संस्थाओं के सभी छात्र छात्राओं को भविष्य में इस प्रकार आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में अधिक से अधिक सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया गए । सभी संस्थाओं के प्राचार्य द्वारा संस्था का आभार व्यक्त किया गया ।

मेट्रो एंकर यातायात पुलिस ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को दिया यातायात जागरूकता का संदेश

सड़क पर चलने, पार करने, वाहन चलाते समय नियमों का पालन जरूर करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के दौरान उप पुलिस अधीक्षक यातायात संतोष मिश्रा ने सर्वाइट स्कूल में शिक्षकों और छात्रों को सन्देश दिया कि शिष्टाचार की समस्त विधाओं में यातायात शिष्टाचार सबसे महत्वपूर्ण है.उल्लेखनीय है कि पुलिस मुख्यालय के आदेश पालन में यातायात, साइबर और नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत सर्वाइट स्कूल नर्मदापुरम में यातायात पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्वलन, स्वागत गीत और स्वागत की प्रक्रिया उपरांत सूबेदार विनय अडलक ने स्कूलों में जागरूकता अभियान की आवश्यकता और

कार्यक्रम की रूपरेखा से छात्र छात्राओं को अवगत कराया एवं हेलमेट और सीट बेल्ट की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मुख्य उदबोधन उप पुलिस अधीक्षक यातायात संतोष मिश्रा ने दिया। जिसमें पीपीटी के माध्यम से मुख्य नियम, सड़क पर चलने, पार करने, दोपहिया वाहन चलाते समय ध्यान केंद्रित करने वाले बिंदुओं के संबंध में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि स्कूल और घरों में बच्चों को हम विभिन्न शिष्टाचार की शिक्षा देते हैं लेकिन इन शिष्टाचार से भी महत्वपूर्ण यातायात शिष्टाचार है, क्योंकि दूसरे शिष्टाचारों की त्रुटि में हमें सुधार करने का अवसर मिलता है, लेकिन यातायात शिष्टाचार की अनदेखी जानलेवा हो सकती है और हो सकता है कि फिर सुधार का अवसर न मिले÷। इसलिए इस शिष्टाचार को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। यातायात नियमों के अतिरिक्त साईबर फ्राड के तरीकों और बचाव के संबंध में जागरुक करते हुए लालच से बचने और अनजान लिंक न खोलने, ओटीपी शेयर न करने और डिजिटल अरेस्ट जैसे फर्जीवाड़े के संबंध में जानकारी दी गई। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान संस्थान की प्रिंसिपल सलूजा मेम उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान मंच का कुशल संचालन समृद्धि राव, अवनि चौरे, अश्विनी चौहान, सुहानी सोनी, अदिति रंजन और वंशिका चौकसे ने किया। कार्यक्रम में शिक्षक गण श्रीमती स्पंदना तिवारी, श्रीमति नीलोफर प्रवीन, रितेश गोस्वामी और कमल मच्चिया और अन्य नान टीचिंग स्टाफ का सराहनीय और सहयोगात्मक योगदान रहा। यातायात के प्रधान आरक्षक संजय यादव और लीलाधर मौर्य ने कार्यक्रम के संयोजन, छात्रों को यातायात सामग्री वितरण और कार्यक्रम की प्रस्तुति में योगदान दिया।

यातायात पुलिस द्वारा वाहनों की चालानी कार्रवाई की गई

नर्मदापुरम। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्रा के नेतृत्व मे चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत यातायात, साइबर और नशे के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा सर्वाइट स्कूल में प्रशिक्षण दिया गया। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये आज लगभग 80 ट्रैक्टर ट्रालियों में आगे और पीछे रेडियम पट्टी लगाई गई। आज यातायात पुलिस द्वारा लगातार चौथे दिन बिना हेलमेट वाले और अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरूद्ध तेज कार्यवाही की गई। चालानी कार्यवाही के दौरान कुल वाहनों में कमियां पाए जाने पर 56 वाहनों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही की गई और कुल रुपए 23,200 जुर्माना वसूल किया गया। यातायात पुलिस ने अपील की है कि असुविधा से बचने कृपया हेलमेट पहन कर चले और सुरक्षित चलें।

कलेक्टर ने रात्रि में किया शहर का दौरा

ठंड व शीतलहर से बचाव के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लिया

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने गत मध्य रात्रि में विदिशा शहर के बस स्टैंड स्थित रैन बसेरा सहित विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर ठंड व शीत लहर से बचाव के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लिया और नागरिकों से संवाद कर व्यवस्थाओं की क्रॉस-मॉनिटरिंग भी की।

कलेक्टर श्री सिंह ने विदिशा नगर के बस स्टैंड, जिला चिकित्सालय के रैन बसेरा को देखा इसके पश्चात उन्होंने जिला चिकित्सालय के वार्डों और रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर स्वच्छता सहित अन्य व्यवस्थाओं को परखा है।

कलेक्टर श्री सिंह ने रैन बसेरा में ठहरने वाले नागरिकों से संवाद कर यहां क्या व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। कहीं कोई दिक्कत परेशानी तो नहीं ठंड व शीत लहर से बचाने के क्या इंतजाम किए गए हैं की जानकारी संवाद के माध्यम से प्राप्त की। उन्होंने रेन बसेरों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर ठंड व शीतलहर से बचाव के लिए अलाव जलाने के प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके साथ ही रेन बसेरा में ठहरने वाले नागरिकों की सुविधा और ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में गद्दे-रजाई व कंबल की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश भी दिए हैं।

एक प्रकरण में नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। विदिशा पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के द्वारा एक प्रकरण में फरार आरोपी की सूचना देने वालो को तीन हजार रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक श्री काशवानी के द्वारा जारी इनाम उदघोषणा आदेश में उल्लेख है कि थाना सिविल लाइन में दर्ज अपराध क्रमांक 847/2024 के फरार आरोपी विशाल पुत्र मान सिंह मैना उम्र 20 साल निवासी बंटीनगर की सूचना देने वालो को तीन हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

केथन डेम को प्रतिबंधित घोषित करने की उठी मांग

रॉयल सिटी के रहवासियों ने कॉलोनाइजर पर लगाया वादा खिलाफी का आरोप

- एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, भ्रष्टाचार का बोलबाला, जनता परेशान अधिकारी कॉलोनाइजर मस्त

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

सिरोंज। केथन डेम का निर्माण मुख्य रूप से शहर की जल सप्लाई के लिए हुआ है। इसलिए पानी कम होने के बाद भी उसकी खाली होने वाली जमीन में भी खेती करने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती है। क्योंकि खेती करने वालों के द्वारा कीटनाशक से लेकर उर्वरक का उपयोग किया जाएगा इस वजह खेती पर रोक लगाई थी दूसरी ओर अवैध रूप से खेती करने वाले मान नहीं रहे हैं। यहां सब सिंचाई विभाग के कर्मचारियों तथा अधिकारियों की लापरवाही या मिली भगत करके दबंग लोग दबंग लोग खेती कर रहे हैं। पिछले दिनों प्रदेश टुडे की खबर के बाद 15 से 20 सेक्टर जमीन को भी प्रशासन ने अतिक्रमण धारियों के चंगुल से मुक्त करवाया है।

कलेक्टर के निर्देशो पर जिले में अवैध कालोनियों पर कार्यवाही शुरु

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में अवैध कालोनियों का चिन्हांकन उपरांत कार्यवाहियां की जा रही है इसी कडी के तहत मंगलवार को विदिशा नगर की तीन अवैध कालोनियों में कार्यवाही की गई है। विदिशा शहरी तहसीलदार डॉ अमित सिंह ने बताया कि अवैध रूप से निर्मित तीन कालोनियों में बिना अनुमति के निर्माण कार्य जिसमें रोड़, गेट एवं बाउण्ड्रीवाल थी उन्हें हटाए जाने का कार्य किया गया है उनमें बांके बिहारी धाम फेस वन, बांके बिहारी धाम फेस टू एवं रूद्राक्ष सिटी कालोनी शामिल है।

प्रतिबंध लगेगा तो नहीं होगी खेती खर्चा

अशोक जैन खर्च ने एसडीएम को आवेदन देते हुए कहा जनहित में डेम को पूरी तरह से प्रतिबंध घोषित करके फेंसिंग कराई इसके बाद है यहां संजय सागर डेम का रूप ले लेगे अभी प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित नहीं होने की वजह से पानी खाली होने के बाद जमीन पर दबंग लोगों के द्वारा नियम विरुद्ध से कब्जा करके फसल लगाने का कार्य करके पानी को भी दूषित करना है। नगर वासियों के हित में अशोक जैन खर्चा नहीं एसडीएम हर्षल चौधरी को आवेदन देते हुए कहा कि उक्त बांधा को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जिन लोगों के द्वार अवैध रूप से खेती की जा रही उन सभी पर कर्रवाई करके धरातल पर सख्त कार्रवाई हो कोई बाहरी व्यक्ति डैम की जमीन में प्रवेश ही ना कर पाए ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण चारों तरफ से लोग कब्जा करके डैम की जमीन को अपने कब्जे में कर रहे हैं करवाई दिखाए तथा नोटिस तक सीमित ना रहे।

स्कूल से भी करोड़ों की जमीन करवाए खाली

इसी तरह इन्होंने कहा कि केथन डेम से नीचे डेंजर जोन में रॉयल सिटी कॉलोनी का निर्माण हुआ है। जिसकी अनुमति भी नियमों विपरीत दी गई है। दूसरी ओर संस्कार ग्रीन वैली स्कूल ने भी करोड़ों की जमीन जमीन पर कब्जा कर रखा है उससे भी भूमि को मुक्त करवाए इसके अलावा स्कूल का संचालन भी नियम विरुद्ध चल रहा है डेंजर जोन क्षेत्र में स्कूल की मान्यता नहीं दी जा सकती पर यहां दी गई है इस स्कूल में हजारों बच्चों पढ़ते हैं उनकी जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। किसी दिन डेम फूट गया तो हजारों लोगों की जान भी जा सकती उसका जिम्मेदार कौन होगा इसके अलावा कॉलोनी में रहने वाले लोगों की जान पर खतरा बना हुआ बांधा फूटने की स्थिति पर बड़ी जननी भी हो सकती है। इसकी जानकारी होने के बाद भी दोनों की अनुमति शासन की गाइडलाइन की विपरीत दी गई है। जिनके द्वारा इसका कारनामे को अंजाम दिया है उन पर भी कार्रवाई होनी चाहिएं जिनके द्वारा अवैध रूप से कॉलोनी की अनुमति दे गई इन सब जांच करवा कर उचित कार्रवाई की मांग की है। दूसरी ओर संस्कार ग्रीन वैली स्कूल को जमीन वाले मामले में कोर्ट स्टे है।

रहवासी बोले हमारे दिया धोखा

इस तरह रायल सटी कॉलोनी के लोगों ने एसडीएम हर्षल चौधरी को आवेदन देते हुए कहा कॉलोनी नाइजर ने हमारे साथ धोखा किया है।जिस समय हमें कॉलोनी में प्लाट दिए गए थे ।,उस सभी सुविधा देने का हमसे वादा किया था साथ में लिखित में दिया था उसको भी कोई काम नहीं करवाया रहें हैं। कॉलोनी के लोगों ने एसडीएम कहा कि कई साल गुजर जाने के बाद हम लोग सुविधाओं के लिए तरस रहे हमारी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कई बार हम लोग अपनी परेशानियों से कॉलोनाइजर को अवगत करा चुके हैं इनके द्वारा भी अनसुनी की जा रही है। उल्टा नगर पालिका में रखे बंधक प्लाटों को विकास अनुमति लेते समय में रखें थे। उनको भी सुविधा दिए बगैर बेच दिए हैं। कॉलोनाइजर ने हमारे साथ भी छल किया गया है। इन लोगों ने एक बार कॉलोनी में आने के लिए एसडीएम से आग्रह करते हुए कहा कि एक बार आकर देखा हम लोगों कितनी परेशानियों के बीच रह रहे हैं। जांच करके हमारे साथ वादा खराबी करने वाले कॉलोनाइजर पर ठोस कार्रवाई करके हम लोगों को सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान ज्योतेंद्र जोशी, परशुराम पंथी, नीरज कुमार सक्सेना आदि मौजूद थे।

इनका कहना है

> दोनों आवेदनों को जांच करवाएंगे इसके बाद आगे की करवाई नियम के अनुसार की जाएगी। शिकायते काफी गंभीर हैं।
>
> –हर्षल चौधरी, एसडीएम सिरोंज

जनपद में हुई सामान्य सभा की बैठक, लेबर बजट का हुआ अनुमोदन, जिओ टेक का समर्थन

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

मंगलवार को जनपद पंचायत कार्यालय के हाल में सामान्य सभा की बैठक का आयोजन हुआ बैठक में मुख्य रूप से मनरेगा विभाग में लेबर बजट का अनुमोदन किया गया उसी को लेकर बैठक रखी गई थी। बैठक का आयोजन जनपद अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा देवी हमीर सिंह यादव की मौजूदगी में हुई इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों के कार्यों के बारे में जनप्रतिनिधियों बात कर योजनाओं की जानकारी दी। जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव द्वारा एक धन्यवाद प्रस्ताव लाया गया।

इस प्रस्ताव में शिक्षा के सुधार हेतु शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु जो जिओ ट्रैकिंग की व्यवस्था की है। उसके पक्ष में प्रस्ताव रखा और कहा कलेक्टर रोशन सिंह तथा डीपीसी को धन्यवाद दिया और सदन के द्वारा इस पहल को सराहनीय माना गया और कहा गया कि यह व्यवस्था हर विभाग में लागू हो जिससे आमजन को सहूलियत होगी। जनपद सीईओ वंदना शर्मा ने बताया बताया कि बैठक मुख्य रूप से लेबर बजट के अनुमोदन को लेकर हुई।

वन अमले की उदासीनता से लटेरी के जंगल खत्म होने की कगार पर, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

सिरोंज। लटेरी दक्षिण वन परिक्षेत्र के जंगल में हरे भरे पेड़ों की अवैध कटाई की जा रही है। पेड़ों की अवैध कटाई से जहां जंगल खत्म हो रहे तो वही पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रतिदिन पौधारोपण कर आमजन को पौधारोपण करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। किंतु वन विभाग के जिम्मेदारों की उदासीनता और लापरवाही के कारण शासन के मंसूबों पर पानी फिर रहा है। जंगल में सागवान के पेड़ों की अवैध कटाई दक्षिण रेंज के कक्ष क्रमांक 370 में निरंतर जारी है। जहां रानीधार के पास सागवान के पेड़ों की अवैध कटाई जोरों पर है। इस कक्ष में सागवान के हरे भरे पेड़ों को नष्ट किया जा रहा है। कक्षा क्रमांक 327 जंगल को साफ कर कृषि भूमि में तब्दील कर लिया गया है। बावजूद इसके विभागीय अमला पेड़ों की अवैध कटाई और अवैध अतिक्रमण पर नकेल कसने में नाकाम साबित हो रहा है। राज एक्सप्रेस टीम ने मौके पर जाकर देखा तो पाया कि रानीधार में कक्ष क्रमांक 327 में

आसपास दर्जनों से अधिक सागवान के पेड़ों के ठूंठ नजर आए। जैसे-जैसे जंगल मे भीतर गए वैसे ठूंठों की संख्या बढ़ती गई। कई स्थानों पर ठूंठ के पास पेड़ की टहनियां पड़ी हुई थी।अधिकांश ठूंठों पर वन विभाग के जिम्मेदारों ने नंबर भी अंकित नहीं किए। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि अवैध कटाई के स्थान पर वन अमला अब तक नहीं पहुंचा है या फिर जान बूझकर इन ठूंठों पर नंबर नहीं डालकर पीयूआर जारी नहीं की गई। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार रोजाना सागौन के पेड़ काटे जा रहे हैं। जिनका परिवहन भी खुले आम किया जा रहा है। वनों की सुरक्षा के लिए नियुक्त रेंजर डिप्टी रेंजर तथा बीट गार्ड मूक दर्शक बने हुए हैं। विभाग की लापरवाही के चलते खुलेआम पेड़ों को नष्ट करने का खेल जारी है और जिम्मेदार विभाग के अधिकारी कार्यवाही करने की जगह हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं।

डीएफओ विदिशा ने दिया कार्यवाही का आश्वाशन - वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण ओर जंगलों की निरंतर कटाई को लेकर आज हमारी बात विदिशा जिले में पदस्थ वन विभाग विदिशा के मुखिया विजय कुमार सोडा जी से बात हुई। डीएफओ विजय कुमार द्वारा बताया गया कि लटेरी वन परिक्षेत्र में जहां जहां पर अतिक्रमण हुआ है हमारे द्वारा जांच कराई जा रही हैं। अतिक्रमण कराने और जंगल कटाई में हमारे स्टाफ के कौन कौन से अधिकारी कर्मचारी लिप्त है उनकी भूमिका की भी जांच कराई जा रही हैं आपको लटेरी में आपको लटेरी में जल्द ही बड़ी कार्य वाही देखने को मिलेगी।

इनका कहना है

> मेरे द्वारा एसडीओ फॉरेस्ट को भेजकर कक्षा क्रमांक 327 की जांच कराई गई है। प्रकरण दर्ज किया गया है, जल्द ही धारा 80 के नोटिस देकर अतिक्रमण धारियों को बेदखली की कार्य वाही की जाएगी। लटेरी में पदस्थ वन परिक्षेत्राधिकारी राजेंद्र सहरिया का ट्रांसफर हो गया है उनको लटेरी से दो चार दिन में रिलीव कर दिया जाएगा।
>
> –विजय कुमार सोडा डीएफओ विदिशा

एसबीआई लिंक रोड में उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी, समय पर नहीं आता है बैंक का स्टाफ

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

लिंक रोड पर संचारित होने वाली एसबीआई बैंक में स्टाफ की मनमानी के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। मंगलवार को सैकड़ो की संख्या में उपभोक्ता बैंक के बाहर खड़े हुए थे। इनको बैंक के अंदर भी प्रवेश नहीं दिया जा रहा था एसडीएम से शिकायत के बाद इन उपभोक्ताओं की सुनवाई हुई मैनेजर ने तत्काल उपभोक्ताओं को बैंक के अंदर करवाया और व्यवस्था करके इनका काम भी प्रारंभ करवाई इससे पहले इनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी उल्टा इनको चार बातें करके इनको बैंक के बाहर खड़ा कर दिया था जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी। आरबीआई के दिशा निर्देश के अनुसार उपभोक्ताओं को बैंक के अंदर सुविधा उपलब्ध कराना पर यहां पर बैंक के बाहर इनको लाइनें में खड़ा करके परेशान किया जा रहा है। इस बैंक में आए दिन इस तरह की स्थिति देखने को मिलती है। जबकि बैंकों में उपभोक्ताओं को सभी सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश है किसी भी उपभोक्ता को बैंक के बाहर नहीं रोका जा सकता है पर यहां पर बैंक के बाहर रोक कर उपभोक्ताओं के साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है। वही बैंक का संचालन सुबह 10 से लेकर शाम 4 बजे तक होता है। दूसरी लिंक रोड पर संचालित होने वाली एसबीआई बैंक का संचालन इन दिनों भगवान भरोसे ही हो रहा है। बैंक के तले तो 10 बजे खुल जाते हैं बाकी स्टाफ के नहींआने के कारण उपभोक्ताओं की सुनवाई नहीं हो रही है। मंगलवार को सैकड़ों संख्या में उपभोक्ताओं बैंकों में अपना कार्य करवाने पहुंचे जहां पर काम करना तो दूर की बात है इन लोगों को बैंक अंदर भी प्रवेश नहीं दिया जा रहा था गेट के बाहर ही यह लोग स्टाफ के आने का इंतजार कर रहे थे।

इनका कहना है

> यदि ऐसी बात है तो लीड बैंक मैनेजर को लिखेंगे दूसरी और बैक मैनेजर से बात करके उपभोक्ताओं का काम करवा दिया था।
>
> –हर्षल चौधरी एसडीएम

मेट्रो एंकर मौके पर ही दिव्यांग प्रमाण पत्र बना और पेंशन प्रकरण की स्वीकृति भी मिली

जनसुनवाई में त्वरित निराकरण से अभिभूत हुए दिव्यांग गोपीलाल

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में आज कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने लटेरी तहसील के महावन गांव के 51 वर्षीय दिव्यांग आवेदक गोपीलाल बंजारा की समस्या को मौके पर ही हल करते हुए त्वरित निराकरण कराया है। जनसुनवाई में त्वरित मिले निराकरण कार्यों की दिव्यांग ने सराहना की है।

दिव्यांग आवेदक मोतीलाल बंजारा 90 प्रतिशत अस्थिबाधित हैं और वह अपनी पत्नि श्रीमती शांतिबाई के साथ जनसुनवाई में दिव्यांग सर्टिफिकेट और पेंशन शुरू कराने की समस्या लेकर पहुंचे थे। जनसुनवाई में आवेदक की व्यथा सुनते हुए मौके पर ही चंद मिनटो में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा

दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाया गया और दिव्यांग पेंशन की स्वीकृति कराई गई है। इस कार्य को गंभीरतापूर्वक लेकर जिला प्रशासन द्वारा पूर्ण कराए जाने पर दिव्यांग आवेदक और उनकी पत्नी ने धन्यवाद व्यक्त किया है और अब आगामी माह से दिव्यांग आवेदक की पेंशन भी शुरु हो जाएगी जो सीधे दिव्यांग के बैंक खाते में प्राप्त होने लगेगी।

गौरतलब हो कि प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में त्वरित मिल रहे निराकरण कार्यों से आम जनों का जनसुनवाई के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। आवेदकों की समस्याओं को जनसुनवाई में मौके पर कलेक्टर श्री सिंह सहित विभागीय अधिकारियों के द्वारा गंभीरता से सुना जा रहा है और निराकरण के कार्यों को विशेष बल देते हुए संपादित कराया जा रहा है। जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों की भी अलग से मॉनिटरिंग कर समीक्षा करते हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी-पृथ्वी शॉ मुंबई टीम से ड्रॉप

इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए निराशा जताई, लिखा- मैं जरूर वापसी करूंगा

पेरिस, एजेंसी

पृथ्वी शॉ को विजय हजारे ट्रॉफी के लिए मुंबई की टीम नहीं चुना गया है। मंगलवार को टीम का ऐलान हुआ। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम 21 दिसंबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में खेलती नजर आएगी। शॉ को खराब प्रदर्शन के चलते टीम से बाहर किया गया है। टीम से बाहर होने के बाद उन्होंने निराशा जताई। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा- भगवान मुझे बताओ, मुझे और क्या देखना है? 65 पारियां, 55.7 की औसत और 126 के स्ट्राइक रेट से 3399 रन (विजय हजारे में) के बावजूद मैं काफी अच्छा नहीं हूं। लेकिन मैं आप पर अपना भरोसा बनाए रखूंगा और उम्मीद है कि लोग अब भी मुझ पर भरोसा करेंगे क्योंकि मैं निश्चित रूप से वापसी करूंगा। ओम साईं राम।

मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे शॉ के लिए मौजूदा सीजन काफी खराब रहा। फिटनेस और अनुशासनात्मक कारणों से उन्हें रणजी ट्रॉफी लीग स्टेज के बीच से ही बाहर कर दिया गया था। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए उनकी टीम में वापसी हुई थी। इसमें वे कुछ खास नहीं कर पाए थे। मेगा ऑक्शन 2024 में भी वे अनसोल्ड रहे। सूर्यकुमार यादव टीम में शामिल विजय हजारे ट्रॉफी के लिए शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम चुनी गई है। अनुभवी स्पिनर शम्स मुलानी को भी टीम में जगह नहीं मिली है। विजय हजारे टूर्नामेंट के पिछले सीजन में अजिंक्य रहाणे ने टीम की कप्तानी की थी। भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी टीम में जगह मिली है। मुंबई अपने अभियान की शुरुआत 21 दिसंबर को अहमदाबाद में कर्नाटक के खिलाफ करेगी।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए मुंबई का स्क्वॉड श्रेयस अय्यर (कप्तान), आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, जय बिस्टा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, सिद्धेश लाड, हार्दिक तमोरे, प्रसाद पवार, अथर्व अंकोलेकर, तनुष कोटियन, शार्दुल ठाकुर, रॉयस्टन डियास, जुनेद खान , हर्ष तन्ना और विनायक भोर।

वेस्टइंडीज विमेंस ने भारत को 9 विकेट से हराया, दूसरे टी-20 में हैली मैथ्यूज ने 85 रन बनाए

नवी मुंबई. एजेंसी

वेस्टइंडीज विमेंस टीम ने इंडिया विमेंस को दूसरे टी-20 में 9 विकेट से हरा दिया। नवी मुंबई के डीवाय पाटिल स्टेडियम में टीम ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। भारत ने 9 विकेट खोकर 159 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने 1 ही विकेट के नुकसान पर 15.4 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज से कप्तान हैली मैथ्यूज ने 47 बॉल पर 85 रन बनाए। इस प्रदर्शन के लिए वह प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। भारत से स्मृति मंधाना ने 62 रन की पारी खेली। दूसरे टी-20 के नतीजे के बाद 3 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। भारत ने पहला मैच 49 रन से जीता था। तीसरा मैच 19 दिसंबर को नवी मुंबई में ही होगा।

भारत की शुरुआत खराब मंगलवार को टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी इंडिया विमेंस की शुरुआत खराब रही। उमा छेत्री 4, जेमिमा रोड्रिग्ज 13 और राघवी बिष्ट 5 ही रन बनाकर आउट हो गईं। मंधाना एक एंड पर टिक गईं, उन्होंने दीप्ति शर्मा के साथ 56 रन की पार्टनरशिप की। 4 बॉलर्स को 2-2 विकेट मिले मंधाना 62 रन बनाकर आउट हुईं, उनके बाद दीप्ति भी 17 ही रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। ऋचा घोष ने 32 रन बनाकर स्कोर 159 तक पहुंचा दिया। बाकी बैटर्स कुछ खास नहीं कर सकीं। वेस्टइंडीज से शिनेले हेनरी, डिएंड्रा डॉटिन, हैली मैथ्यूज और एफी फ्लेचर ने 2-2 विकेट लिए। करिश्मा रामहरक और अश्मिनी मुनिसार कोई विकेट नहीं ले सकीं।

वेस्टइंडीज की विस्फोटक शुरुआत 160 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज को दोनों ओपनर्स ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। किआना जोसेफ ने महज 22 गेंद पर 38 रन बना दिए। उनकी पारी में 6 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। वह 7वें ओवर में आउट हुईं। 68 रन पर पहला विकेट गिरने के बाद शेमाइन कैम्पबेल ने संभलकर पारी आगे बढ़ाई। दूसरे एंड पर मैथ्यूज ने बाउंड्री लगाना शुरू कर दिया। उन्होंने 17 चौके लगाकर 85 रन बनाए और टीम को 16वें ओवर में ही जीत दिला दी। कैम्पबेल 29 रन बनाकर नॉटआउट रहीं।भारत ने 49 रन से जीता था पहला टी-20 नवी मुंबई में रविवार को दोनों टीमों के बीच पहला टी-20 खेला गया था। भारत ने पहले खेलते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए थे। जवाब में वेस्टइंडीज विमेंस टीम 7 विकेट खोकर 146 रन ही बना सकी। तीसरा टी-20 मैच 19 दिसंबर को खेला जाएगा। फिर 22 दिसंबर से दोनों टीमें 3 वनडे की सीरीज वडोदरा में खेलेंगी।

बाउट छोड़ने वाली एंजेला को 41 लाख रुपए देगा आइबीए

पेरिस, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग एसोसिएशन (आइबीए) ने घोषणा करते हुए कहा कि वह अल्जीरियाई मुक्केबाज इमान खलीफ के खिलाफ वेल्टरवेट राउंड ऑफ-16 मुकाबले से हटने वाली इटली की एंजेला कैरिनी को 50,000 डॉलर यानि 41 लाख रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि देगा। कैरिनी ने जोरदार पंच पड़ने के बाद महज 46 सेकेंड में इमान के खिलाफ बाउट छोड़ दी थी। आइबीए ने कैरिनी का समर्थन और उनका हौसला बढ़ाते हुए उन्हें यह पुरस्कार राशि देने का फैसला किया है। अल्जीरिया की मुक्केबाज इमान ने जेंडर विवाद पीछे छोड़ते हुए 66 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में हंगरी की अना लुका को हराया और पदक पक्का कर लिया।

सबालेंका अंतिम-4 में, बौजकोवा से होगी भिड़ंत

वाशिंगटन ओपन टेनिस, सीधे सेटों में जीता मैच

वाशिंगटन. एजेंसी

बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वाशिंगटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने क्वार्टरफाइनल में हमवतन विक्टोरिया अजारेंका को 6-4, 6-4 से हराया। अब अंतिम-4 में 26 वर्षीय सबालेंका का सामना चेक गणराज्य की मैरी बौजकोवा से होगा, जिन्होंने 19 वर्षीय अमरीकी खिलाड़ी रॉबिन मोंटगोमरी को 6-3, 6-1 से मात दी। **रूस के आंद्रे रुबलेव हारकर बाहर:** वहीं पुरुष एकल में स्थानीय खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो ने शीर्ष वरीय रूस के आंद्रे रुबलेव को सीधे सेटो में 6-4, 7-6 से मात देकर अंतिम-4 में प्रवेश किया। अब सेमीफाइनल में टियाफो के सामने चौथी वरीय अमरीकी खिलाड़ी सेबेस्टियन कोर्डा होंगे।

निशानेबाजी माहेश्वरी फाइनल की होड़ में, अनंतजीत हारे

पेरिस. एजेंसी

स्कीट भारतीय निशानेबाज माहेश्वरी चौहान महिला स्कीट स्पर्धा के क्वालीफिकेशन के पहले दिन आठवें स्थान के साथ फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बनी हुई हैं जबकि अनंतजीत सिंह नरूका लगातार दूसरे दिन खराब प्रदर्शन के बाद पुरुष स्कीट स्पर्धा से बाहर हो गए। राजस्थान की माहेश्वरी 25-25 शॉट की तीन सीरीज में 23, 24 और 24 अंक से कुल 71 अंक बनाकर पहले दिन के क्वालीफिकेशन दौर के बाद आठवें पायदान पर हैं और शीर्ष छह निशानेबाजों के फाइनल की दौड़ में बनी हुई हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

'हाइवे' के लिए पहली पसंद नहीं थीं आलिया ऐश्वर्या राय के नाम पर किया था विचार

डायरेक्टर इम्तियाज अली ने हाल ही में अपनी फिल्म 'हाइवे' से जुड़ा एक खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में वीरा के किरदार के लिए आलिया भट्ट उनकी पहली पसंद नहीं थी। हालांकि, डायरेक्टर ने कभी किसी और एक्ट्रेस को इस रोल के लिए अप्रोच किया भी नहीं। एक इंटरव्यू में इम्तियाज ने बताया कि वो इस रोल के लिए किसी मैच्योर एक्ट्रेस को कास्ट करना चाहते थे। इसके लिए वो ऐश्वर्या राय के नाम पर विचार कर रहे थे। हालांकि, उन्होंने ऐश्वर्या को कभी इस रोल के लिए अप्रोच नहीं किया था। बतौर हाइवे इम्तियाज की पहली फिल्म थी। वहीं बतौर डायरेक्टर यह उनकी पांचवी फिल्म थी। एक्सपीरियंस वाली एक्ट्रेस कास्ट करना चाहते थे। अली ने कहा, 'मैं चाहता कि कोई 30 साल से ज्यादा उम्र की लड़की वीरा का रोल प्ले करे। ऐसी एक्ट्रेस को कास्ट करना चाहता था जिसके साथ लाइफ का थोड़ा एक्सपीरियंस भी हो। पर आलिया से मिलने के बाद कि उम्र नहीं इमोशनल डेप्थ और मैच्योरिटी ढूंढ रहे थे और वो किसी भी एज में मिल सकती है। 2014 में रिलीज हुई फिल्म हाइवे आलिया के करियर की दूसरी फिल्म थी। इसके लिए उन्होंने बेस्ट एक्ट्रेस क्रिटिक्स का फिल्मफेयर अवॉर्ड अपने नाम किया था। वर्कफ्रंट पर इम्तियाज की आखिरी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' है जो हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

एक्ट्रेस अहाना ने सोशल मीडिया को कलाकारों के लिया बताया अभिशाप

अभिनेत्री अहाना एस कुमरा ने हिंदी सिनेमा ने अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ टीवी शो 'युद्ध' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वह 'लिपस्टिक अंडर माय बुर्का', द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर और सलाम वेंकी जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। इसके बावजूद भी उन्हें लगता है कि आज उनके लिए काम पाना पहले की तुलना में कहीं ज्यादा मुश्किल है। उन्होंने कहा कि प्रभाव और नेटवर्किंग ही एकमात्र ऐसी चीज हैं, जिनके जरिए आपको काम मिल रहा है। अहाना ने कहा, बहुत से सितारे उलझन में हैं कि इससे कैसे निपटा जाए, क्योंकि हमें सोशल मीडिया पर आक्रामक रूप से सक्रिय रहने और पीआर एजेंसियों की मदद लेने के लिए कहा जा रहा है। अभिनेत्री ने कहा सोशल मीडिया अभिनेताओं के लिए वरदान से ज्यादा अभिशाप बन गया है। उन्होंने कहा, जब मैंने शुरुआत की थी, तो सोशल मीडिया पर खास तरह का दिखने और रील और डांस वीडियो करते रहने का इस तरह का दबाव नहीं था। आज बहुत सारी कास्टिंग सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर हो रही है। उन्होंने कहा, आज के समय में काम पाना बहुत मुश्किल और बेहद दर्दनाक है।

अभिनेता वरुण धवन की वजह से बने थे एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा के एब्स

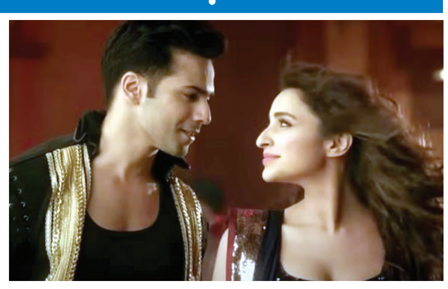

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और वरुण धवन ने फिल्म ढिशुम के गाने जानेमन आह पर एक साथ काम किया था। एक पुराने इंटरव्यू के दौरान परिणीति ने इस गाने में उनके एब्स को लेकर सिटाडेल- हनी बनी अभिनेता वरुण धवन को इसका श्रेय दिया था। परिणीति और वरुण की फिल्म ढिशूम का प्रमोशनल ट्रैक जानेमन आह सुपरहिट रहा था, जिसमें दोनों की शानदार केमिस्ट्री और जबरदस्त डांस मूव्स ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया था। इसके अलावा, अभिनेत्री के सिजलिंग फिगर और एब्स ने भी दर्शकों को काफी इंप्रेस किया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस गाने में परिणीति ने अपने एब्स के लिए बेबी जॉन अभिनेता वरुण धवन को इसका पूरा क्रेडिट दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 2016 में मुंबई में जानेमन आह गाने के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान, परिणीति चोपड़ा ने अपने सह-कलाकार वरुण धवन को अपने शानदार एब्स के लिए धन्यवाद दिया था। उन्होंने बताया कि उन्हें यह गाना ऑफर किया गया था, जिसके बाद से ही उन्होंने अपने फिगर पर काम करना शुरू कर दिया था। उस दौरान परिणीति ने कहा था, आज मेरे पास वरुण की वजह से एब्स हैं। मैं खुद पर काम कर रही थी। उन्होंने मुझे गाना ऑफर किया और मैंने झट से हामी भर दी। इस गाने को लेकर वरुण ने कहा था कि वे 90 के दशक के माहौल को फिर से बनाना चाहते थे। इस गाने को लेकर वरुण ने गोविंदा और करिश्मा कपूर को अपनी प्रेरणा बताया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गाने के लॉन्च के दौरान, वरुण ने कहा था, गाने में उनका ऑनस्क्रीन किस स्क्रिप्ट का हिस्सा नहीं था, और यह मेरा विचार था कि गाने के आखिर में उन्हें किस करना चाहिए। यही नहीं बल्कि सेट पर मौजूद किसी को भी इसकी जानकारी नहीं थी, यहां तक कि अहमद खान (कोरियोग्राफर) को भी नहीं। जब किस हुआ तो हर कोई इसको देखकर चौंक गया था।

मेट्रो बाजार

टाटा के सेमीकंडक्टर प्लांट में हर दिन 4.83 करोड़ चिप बनेंगी

डिसपुर, एजेंसी

टाटा ग्रुप ने असम में 27,000 करोड़ की सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट फैसिलिटी का कंस्ट्रक्शन शुरू कर दिया है। इस सेमीकंडक्टर प्लांट में हर दिन 4.83 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप्स का प्रोडक्शन होगा। इसके 2025 तक चालू होने की उम्मीद है। यहां बनने वाली चिप्स का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, कम्युनिकेशन और नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर सहित अन्य सेक्टर्स में होगा। 29 फरवरी, 2024 को केंद्रीय कैबिनेट ने इस प्रोजेक्ट को अप्रूवल दिया था। यह प्रोजेक्ट भारत के सेमीकंडक्टर मिशन का हिस्सा है। 27,000 नौकरियां मिलेंगी, 15,000 डायरेक्ट और 12,000 इनडायरेक्ट टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा- इस प्लांट से 27,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। इसमें 15,000 डायरेक्ट और 12,000 इनडायरेक्ट नौकरियां होंगी। हमें उम्मीद है कि 2025 में हम इस प्रोजेक्ट को पूरा करने और जल्दी से ऑपरेशन शुरू करने में सक्षम होंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने असम के जगीरोड में सेमीकंडक्टर प्लांट का भूमि पूजन किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने असम के जगीरोड में सेमीकंडक्टर प्लांट का भूमिपूजन किया। प्रधानमंत्री ने तीन सेमीकंडक्टर फैसिलिटीज की आधारशिला रखी थी। इनमें से 2 गुजरात में और 1 असम में बन रहा है। टाटा ग्रुप इन तीन प्लांट में से दो को स्थापित कर रहा है। एक प्लांट गुजरात के धोलेरा में और एक असम के जगीरोड में बन रहा है। भारत सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर को प्रोत्साहन देने लिए पीएलआई कीम की भी घोषणा की थी। साल 2021 में भारतीय सेमीकंडक्टर मार्केट की वैल्यू 27.2 बिलियन डॉलर थी और सालाना 19 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ इसके 2026 तक 64 बिलियन डॉलर होने की उम्मीद है। दुनिया की सेमीकंडक्टर चिप ताइवान बनाता है सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री एसोसिएशन के अनुसार, ताइवान ग्लोबल चिप फैब्रिकेशन कैपेसिटी में 60 फीसदी हिस्सेदारी है।

वॉरेन बफे ने एपल में अपनी आधी हिस्सेदारी बेची, कैश स्टॉक बढ़कर 23.20 लाख करोड़ हुआ

नईदिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी अरबपति और निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने आईफोन बनाने वाली एपल में अपनी करीब 50 फीसदी हिस्सेदारी बेच दी है। इस बिकवाली के बाद वॉरेन बफे का कैश स्टॉक बढ़कर रिकॉर्ड 276.9 बिलियन डॉलर (करीब 23.20 लाख करोड़ रुपए) हो गया है। कंपनी ने कितने शेयर बेचे इसकी जानकारी नहीं है। लेकिन, अनुमान के मुताबिक दूसरी तिमाही में एपल में बर्कशायर का निवेश 84.2 बिलियन डॉलर (करीब 7.05 लाख करोड़ रुपए) बचा है। पहली तिमाही के अंत में बफे के पास एपल के 135.4 बिलियन डॉलर (करीब 11.34 लाख करोड़ रुपए) के शेयर्स थे। बफे की कंपनी ने कई अन्य कंपनियों में भी अपनी शेयर होल्डिंग कम की है। दूसरी तिमाही के दौरान कंपनी ने टोटल 75.5 बिलियन डॉलर (करीब 6.32 लाख करोड़ रुपए) वैल्यू के शेयर बेचे हैं। इससे उसकी ऑपरेटिंग कमाई पिछले साल के 10 बिलियन डॉलर (करीब 83,767 करोड़ रुपए) से बढ़कर 11.6 बिलियन डॉलर (करीब 97,170 करोड़ रुपए) रही। ओमाहा नेब्रास्का बेस्ड ग्रुप ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। बर्कशायर की इस रिकॉर्ड बिकवाली पर कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह अमेरिका में मंदी आने की आशंका के चलते हो सकता है। कंपनी ने पिछली तिमाही में कई कंपनियों में हिस्सेदारी घटाने और अपना कैश भंडार बढ़ाने पर फोकस किया।

गिरोह बनाकर वाहन चोरी करने वाले चार इंजीनियरिंग छात्रों को पुलिस ने को दबोचा

9 दोपहिया वाहन बरामद, स्पीड के शौक ने छात्रों को बनाया अपराधी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए वाहन चोरी के मामले में 4 इंजीनियरिंग छात्रों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चोरी की कुल 9 बाइक मिली हैं, जिनकी कीमत करीब 15 लाख रुपये से ज्यादा बताई गई है। चारों छात्र हाई स्पीड दोपहिया वाहन चलाने के शौकीन बताए हैं। घरवाले जब उनके शौक पूरे नहीं कर पाए तो चारों गिरोह बनाकर वाहनों की चोरी करने लगे। वह बुलेट, आर-15 और अपाचे जैसे दोपहिया वाहन चोरी करते थे। आरोपियों ने विदिशा भोपाल के पिपलानी तथा गोविंदपरा इलाके से वाहन चोरी किए थे। जानकारी के अनुसार इलाके में होने वाली वाहन चोरी की घटनाओं को रोकने और आरोपियों की धरपकड़ लिए डीसीपी जोन क्रमांक-2 डॉ. संजय अग्रवाल ने निर्देश दिए थे। आनंद नगर चौकी प्रभारी एसआई संतोष रघुवंशी के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाकर वाहन चोरों की तलाश में लगाया गया था। पुलिस टीम ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद चार संदेहियों को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम प्रवीण शुक्ला (20) निवासी अनुपपुर हाल पता चिरंजीवी अस्पताल के पीछे, पीली बिल्डिंग सेकेण्ड फ्लोर विदिशा, अथर्व त्यागी (19) निवासी ग्वालियर हाल पता चिरंजीवी अस्पताल के पीछे, पीली बिल्डिंग सेकेण्ड फ्लोर विदिशा, संस्कार मिश्रा (19) निवासी थाना कोतमा जिला अनूपपुर और अभिषेक सिंह (19) निवासी थाना ब्यौहारी जिला शहडोल हाल पता छत्रसाल नगर फेस-1, पिपलानी भोपाल बताया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह पिछले छह महीने से दोपहिया वाहन चोरी कर रहे थे। चारों की निशानदेही पर पुलिस ने यामाहा आर-15, रायल इनफील्ड बुलेट, टीवीएस अपाचे, टीवीएस राईडर, हीरो स्प्लेंडर समेत कुल 5 दोपहिया वाहन जब्त किए गए हैं।

अनूपपुर और शहडोल में छिपाकर रखी थी बाइक

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि चोरी की 2 गाडियों को उन्होंने जिला अनूपपुर और 2 गाडियां जिला शहडोल में छिपाकर रखी हुई हैं। पुलिस इन वाहनों को बरामद करने की कार्रवाई कर रही है। जब्त हुए वाहनों की कीमत करीब पंद्रह लाख रुपये बताई जा रही है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे आरोपी पुलिस ने बताया कि पकड़े गए चारों आरोपी इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं। अभिषेक सिंह भोपाल के निजी कालेज से इंजीनियरिंग कर रहा है, जबकि बाकी तीनों आरोपी विदिशा के बड़े कालेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं। जब्त हुए वाहनों में दो मोटर सायकिल सिविल लाइन विदिशा, एक गोविंदपुरा और छह बाइक थाना पिपलानी इलाके से चोरी की गई थी। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें हाई पावर वाली औ स्पीड वाली स्पोर्ट्स बाइक चलाने का शौक है। परिवार वाले बाइक नहीं खरीद पाए तो चारों ने चोरी की बाइक पर तफरी करनी शुरू कर दी। रिमांड पर लेकर की जा रही पूछताछ एसआई संतोष रघुवंशी ने बताया कि चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। आरोपियों से वाहन चोरी की कई अन्य वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है।

हमीदिया अस्पताल से बाइक ले उड़े बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हमीदिया अस्पताल परिसर से बदमाश एक युवक की बाइक चोरी कर ले गए, वहीं टीटी नगर इलाके से एक महिला की स्कूटर चोरी हो गई। पिपलानी इलाके से बदमाश एक साथ दो दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सतीश ताराचंदानी (35) सेवा सदन आई हास्पिटल के पास बैरागढ़ में रहते हैं और प्रायवेट काम करते हैं। पिछले दिनों वह हमीदिया अस्पताल में भर्ती एक मरीज को देखने पहुंचे थे। सतीश ने अपनी बाइक ब्लाक नंबर दो के सामने पार्क किया और अस्पताल के अंदर चले गए। करीब आधे घंटे बाद वापस लौटे तो बाइक गायब हो चुकी थी। आसपास तलाश करने के बाद भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने कोहेफिजा थाने जाकर वाहन चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर टीटी नगर थानांतर्गत शास्त्री नगर में रहने वाली अनीता सेवानी (55) खुद का व्यवसाय करती हैं। पिछले दिनों उन्होंने अपनी स्कूटर घर के सामने खड़ी की और ओला कैब से बेटी के घर नीलबढ़ चली गई थी। वापस लौटने पर देखा तो उनकी स्कूटर गायब थी। आसपास तलाशने पर भी जब स्कूटर नहीं मिली तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उधर पिपलानी के बिजली कालोनी में रहने वाले जितेंद्र लोधी और आनंद नगर निवासी प्रियांशू जैन के घर के सामने खड़ी बाइक चोरी चली गई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बेटे के साथ बाइक से जा रही महिला गिरी, मौत

उपचार के दौरान तोड़ा दम, राजधानी के गुलफाम गार्डन की घटना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुलफाम गार्डन के पास सोमवार शाम बेटे के साथ बाइक पर जा रही मां चलती बाइक से गिर गई। गिरने के कारण उन्हें सिर में गंभीर चोट आई थी। बेटे ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ने भर्ती कराया था। वहां इलाज के दौरान मंगलवार शाम उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार कुसुम जाट पति निर्जन सिंह जाट (55) कृष्णा नगर, करोंद में रहती थी। वह गृहणी थी। सोमवार को कुसुम जाट अपने बेटे के साथ रिश्तेदारी में जा रही थी। मां बेटे बाइक से गुलफाम फार्म के पास पहुंचे थे, तभी कुसुम जाट चलती बाइक से गिर गई। इस हादसे में उन्हें सिर में गंभीर चोट आई थी। सोमवार को उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

शराब के लिए युवक से अड़ीबाजी

भोपाल। कमला नगर इलाके में रहने वाले एक युवक के साथ बदमाश ने शराब के लिए अड़ीबाजी की और रुपए नहीं देने पर डंडे से मारपीट कर दी। पुलिस के मुताबिक अम्बेडकर नगर में रहने वाला विनोद सहारे (32) पुताई का काम करता है। सोमवार दोपहर करीब एक बजे वह काम से घर लौटा था। मोहल्ले में मौजूद दो युवकों से बात कर रहा था, तभी किशोर नामक युवक पहुंचा और शराब के लिए पांच सौ रुपए देने की मांग करने लगा। विनोद ने रुपये देने से इंकार किया तो किशोर ने गाली-गलौज करते हुए डंडे से मारपीट कर दी। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया तो वह धमकी देते हुए भाग निकला। पुलिस ने अरोपी के खिलाफ मारपीट और अड़ीबाजी का मामला दर्ज कर लिया है।

युवक की संदिग्ध मौत

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित सब्जी फार्म इलाके की मल्टी में रहने वाले युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार सब्जी फार्म शाहपुरा निवासी 43 साल के दिनेश दामोदर मल्टी में रहते थे और प्राइवेट काम करते थे। उनके परिजन ने बताया कि मंगलवार रात वह अपने कमरे में सोए थे। रात में उनकी तबीयत बिगड़ी और शरीर में हलचल होनी बंद हो गई। परिजन उन्हें जय प्रकाश अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कार की टक्कर से महिला गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा स्थित लालघाटी चौराहे के पास सड़क क्रास कर रही एक महिला को कार ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी कार और चालक की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शाहदा बी (54) मस्जिद के पीछे गांधी नगर में रहती हैं। सोमवार दोपहर वह लालघाटी स्थित केनरा बैंक काम से जा रही थी। दोपहर करीब एक बजे बैटरी वाले आटो से उतरने के बाद महिला सड़क क्रास करने लगी, तभी गांधी नगर की तरफ से आ रही सफेद रंग की एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही महिला सड़क पर गिरकर घायल हो गई। उनके मुंह, दाहिने कंधे, दाहिने पैर समेत शरीर में गंभीर चोट आई।

11 लाख रुपए की मैगी से भरा कंटेनर लेकर ड्राइवर हुआ फरार

11 मील टोल नाके को पार करता दिखा कंटेनर, पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अहमदाबाद से कटक के लिए पौने 11 लाख रुपए की मैगी लेकर रवाना हुआ कंटेनर रहस्यमय तरीके से लापता हो गया। करीब पांच दिन बाद ड्रायवर ने मालिक को कंटेनर लूट होने की जानकारी दी। उसने बताया कि दो लोग कंटेनर लेकर भाग गए हैं। खोजबीन के दौरान कंटेनर कोकता ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में लावारिस हालत में खड़ा मिला है। उसमें लोड की गई लाखों रुपए की मैगी गायब थी। ड्रायवर भी घटना के बाद से फरार है। मैगी की कीमत पौने 11 लाख रुपए बताई गई है। बिलखिरिया पुलिस जांच के बाद ड्राइवर के खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक इस्लामी गेट के पास शाहजहांनाबाद निवासी शब्बीर खान (38) ट्रांसपोर्ट का कारोबार करते हैं। उनका कंटेनर फेमस होटल के पीछे अशोका गार्डन में रहने वाला रईस मियां चलाता है। विगत 28 नवंबर को उनका कंटेनर अहमदाबाद से कटक (उड़ीसा) के लिए रवाना हुआ था। कंटेनर में 10 लाख 71 हजार 545 रुपए की मेगी लोड की गई थी। कंटेनर को इंदौर, खंडवा व बैतूल होते हुए कटक जाना था। लेकिन कंटेनर बैतूल तक जाने के बाद अपने निर्धारित मार्ग पर रवाना नहीं हुई। विगत चार दिसंबर की सुबह करीब पौने नौ बजे ड्रायवर रईस मियां ने शब्बीर खान को कॉल कर जानकारी दी कि वह 11 मील तक आ गया था। वहां दो लोग उसे नीचे उतारकर कंटेनर ले भागे। जब फरियादी ने पूछा कि तुम कहां हो अभी, तो उसने जवाब दिया कि मैं बाहर आ गया हूं। इसके बाद से उक्त मोबाइल नंबर बंद आ रहा है। ड्रायवर ने कॉल कर बताया था कि मंडीदीप के दो लोग जबरन शराब पिलाकर कंटेनर लेकर भागे हैं।

दुआ के बाद मोबाइल पर मिला मैसेज : फरियादी शब्बीर खान ने पुलिस को बताया कि इज्तिमा और उसके बाद दुआ की वजह से उनके मोबाइल पर नेटवर्क नहीं आ रहा था। दो दिसंबर की दोपहर दुआ से घर लौटने के बाद उन्हें मोबाइल पर मैसेज मिला कि रईस मियां ने उन्हें कॉल किया था। लिहाजा दो और तीन दिसंबर को फरियादी ने ड्रायवर को कॉल किया लेकिन रईस ने कॉल रिसीव नहीं किया। अगले दिन चार दिसंबर की सुबह रईस से कॉल कर घटना होने की जानकारी दी। कॉल करने के दौरान रईस ने फरियादी को मंडीदीप के दो लोगों के नाम लेकर बताया कि उन दोनों को सब पता है। जबकि फरियादी का कहना है जिन दो लोगों के नाम ड्रायवर ने लिए हैं वो समय सूरत में हैं। वो दोनों भी पुराने ड्रायवर हैं। पुलिस ने बताया कि ड्रायवर रईस को करीब एक माह पूर्व ही फरियादी ने अपने पास ड्रायवर रखा है। फिलहाल ड्रायवर की तलाश की जा रही है। उसके मिलने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी। पुलिस के मुताबिक फरियादी शब्बीर खान ने विगत चार दिसंबर को फास्टैग की डिटेल निकाली थी। डिटेल से चला कि एक दिसंबर की रात ही कंटेनर ने 11 मील टोल को पार किया है। टोल नाके का सीसीटीवी कैमरे का फुटेज चैक करने पर कंटेनर नाके से गुजरता नजर आ रहा है। जबकि ड्रायवर रईस मियां ने शब्बीर खान को 4 दिसंबर को कॉल कर घटना होने की जानकारी दी थी।

लावारिस हालत में खड़ा मिला कंटेनर

बताया जा रहा है कि विगत चार दिसंबर की रात करीब पौने 12 बजे फरार हुआ कंटेनर कोकता ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आरटीओ के पीछे डिवाइन स्कूल के पास लावारिस हालत में सडक किनारे खड़ा मिला। फरियादी शब्बीर खान खुद खोजबीन करते हुए कंटेनर तक पहुंचे। कंटेनर मिलते ही उन्होंने डायल 100 को घटना की जानकारी दी। पुलिस की मौजूदगी में कंटेनर का दरवाजा खोलकर देखा गया। कंटेनर पूरी तरह से खाली था जबकि फर्श पर एक चादर बिछी हुई थी। कंटेनर के टायर भी फोड़ दिए गए थे और डीजल टैंक भी पूरी तरह से खाली था।

नहीं कर रहे कॉल रिसीव

फरियादी शब्बीर खान ने बताया कि घटना के बाद से ड्रायवर रईस मियां फरार हैं। उसका मोबाइल फोन कभी ऑन होता है तो कभी बंद हो जाता है। वो कॉल रिसीव नहीं कर रहे हैं। उनके घर में ताला लगा हुआ है। घर से थोड़ी दूरी पर उनका ससुराल है लेकिन ससुराल वालों को भी उनके बारे में कोई जानकारी नहीं है। शब्बीर खान ने बताया कि वह रईस मियां को प्रतिमाह सात हजार रुपए देते हैं।

मेट्रो एंकर आत्महत्या की वजह बताया जा रहा पारिवारिक विवाद, ईंटखेड़ी के प्रेमपुरा की घटना

घर पर से लापता नव विवाहिता की लाश कुएं में मिली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित गांव प्रेमपुरा में 22 साल की नव विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोमवार शाम वह अपनी भांजी के साथ खाना बना रही थी। इसके बाद अचानक लापता हो गई। देर रात तक उसकी तलाश की गई। जब कुछ पता नहीं चला तो उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली। परिजन ने उसकी तलाश आसपास की तो उसकी लाश घर से कुछ दूरी पर खेत में बने कुएं से बरामद की गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है।

पुलिस के अनुसार प्रीति आदिवासी पति करण सिंह आदिवासी (22) मूलतः अशोक नगर की रहने वाली थी। कुछ वर्ष पहले उसका परिवार गांधी नगर में आकर रहने लगा था। प्रीति की शादी प्रेमपुरा में रहने वाले करण सिंह से वर्ष 2020 में हुई थी। करण सिंह यहां विक्रम मीणा के खेत में रहता है और हाली का काम करता है। करण सिंह ने पुलिस को बताया कि प्रीति और उसकी तीन महीने का बच्ची है। सोमवार शाम प्रीति भांजी के साथ खाना बना रही थी। उसने रोटियां बना ली और सब्जी बनाने का उसे कहा था। वह किचन में खड़ी थी और काम करते करते अचानक लापता हो गई। देर रात तक परिजन उसने की तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। परिजन उसकी गुमशुदगी दर्ज कराने थाने पहुंचे और वहां गुमशुदगी दर्ज कराई। पूछताछ में आत्महत्या की वजह पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है।

मशक्कत के बाद लगा सुराग

परिजन उसकी तलाश गांधी नगर और ईंटखेड़ी में हर संभावित ठिकानों पर कर चुके थे, लेकिन उसका सुराग नहीं लगा। समय अधिक बीतने और प्रीति का पता नहीं चलने से अनहोनी की आशंका बढ़ने लगी। परिजन उसकी तलाश करते हुए खेत पर बने कुएं में पहुंचे। वहां उसकी लाश नजर आई। परिजन ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रीति की लाश कुएं से बाहर निकलवाकर पीएम के लिए भेज दी। मंगलवार को उसका पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

कमलानगर में कार की टक्कर से पुलिसकर्मी का बेटा घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर इलाके में कार की टक्कर से एक पुलिस कर्मी के बेटे को गंभीर चोट आई है। जानकारी के अनुसार पुलिस लाइन नेहरू नगर में रहने वाले मनोज थापा डीएसबी में पदस्थ हैं। सोमवार की शाम पौने पांच बजे वह बेटे को कोचिंग छोड़ने के लिए जा रहे थे। कैलादेवी तिराहे पर एक व्यक्ति सांची डेयरी के पास अपनी कार खड़ी किए हुए था। वह बगल से निकलने लगा, तभी उक्त व्यक्ति ने कार को रिवर्स किया और मनोज की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मनोज और उनका बेटा बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। बेटे के पैर में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

छात्रा की स्कूटर को कार ने मारी टक्कर कमला नगर में रहने वाली खुशबू भारद्वाज (20) कालेज में पढ़ती है। सोमवार सुबह करीब पौने दस बजे वह अपनी स्कूटर से कालेज जाने के लिए निकली थी। वैशाली नगर गेट के पास किराने की दुकान के सामने पहुंची, तभी काले रंग की अज्ञात कार के चालक ने उसकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे खुशबू सड़क पर गिरकर घायल हो गई। उधर भदभदा चौराहे के पास तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने आई-10 कार को टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने गौरव राजपूत निवासी अशोका गार्डन की रिपोर्ट पर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022